छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 216 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

'एक गलत इंजेक्शन और जिंदगी वेंटिलेटर पर'

मधुमक्खी के काटने पर पहुंचे थे नामचीन जीवन ज्योति अस्पताल

पुत्र ने कहा- डॉक्टर ने डिस्चार्ज करने कहा था, पहुंचा दिया आईसीयू में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर का सबसे चर्चित और महंगे अस्पताल जीवन ज्योति एक बार फिर लापरवाही के कारण सवालों के घेरे में है। सामने यह आ रहा है कि, यहां इलाज कराने आए मरीज भगवान भरोसे हैं और मैनेजमेंट मुनाफा भरोसे है। नतीजा-एक गलत इंजेक्शन और जिंदगी वेंटिलेटर पर। यह हम नहीं मरीज के संबंधी कह रहे हैं। गलत इंजेक्शन लगाने के कारण जिस महिला को डिस्चार्ज होना था, वह आईसीयू, वेंटीलेटर तक पहुंच गई। पीड़िता के पुत्र ने पीड़ित मां को गलत इंजेक्शन लगाने से हालत बिगड़ने का आरोप मीडिया के समक्ष लगाया है।

पीड़िता के पुत्र राजेश साहू का कहना है कि, उनकी मां श्रीमती साहू को 11 अगस्त को मधुमक्खी काटने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टर ने डिस्चार्ज करने कहा था और मां की हालत ठीक थी। सुबह सीमा नाम के नर्स ने इंजेक्शन लगाया, इसके तुरंत बाद वे बेहोश हो गईं। डॉक्टर ने कहा कि ब्लड प्रेशर लो हो गया है, मरीज को आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखना पड़ेगा। जिस मरीज को डिस्चार्ज करने की बात हो रही थी, उन्हें आईसीयू और वेंटीलेटर की जरूरत बताने पर स्वजन भौचक रह गए। जानकारी लेने पर पता चला कि मरीज को गलत इंजेक्शन लगाने के बाद ऐसे हालात बने हैं। राजेश का कहना है कि नर्स ने खुद स्वीकार किया कि इंजेक्शन गलत दे दिया गया, जिस कारण ऐसा हुआ। वह इंजेक्शन आईसीयू सर्जिकल में लगाने वाला था, लेकिन नॉर्मल वार्ड में लगाने के लिए दे दिया गया। इससे व्यथित राजेश साहू ने कहा कि जहां मरीजों के जान के साथ खिलवाड़ की स्थिति बन रही हो, ऐसे हॉस्पिटल को या तो बंद कर देना चाहिए या फिर मैनेजमेंट को इसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेनी चाहिए। आज उनकी मां के साथ ऐसा हुआ, कल किसी और के साथ होगा।

बता दें कि, जीवन ज्योति में पहले भी इलाज में लापरवाही से मरीजों की मौत के मामले आ चुके हैं। कई बार हंगामा की स्थिति भी बनी है। भर्ती मरीज की मौत के बाद भुगतान के लिए शव को बंधक बनाने जैसा मामला भी पूर्व में आ चुका है। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन जोड़-तोड़ लगाने की कोशिश में लग जाता है, जिससे यहां मरीजों के जान से खिलवाड़ जैसी नौबत बन रही है। इस बार तो प्रबंधन ने डिस्चार्ज की जाने वाली महिला के जान की परवाह किए बगैर बड़ी साफगोई से फार्मेसी और स्टाफ पर ठीकरा फोड़ दिया। इंजेक्शन के नाम की समानता को वजह बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ना कहां तक उचित है। सवाल ये है कि मरीज की जान की कीमत सिर्फ 'नाम की गलती' है?

अस्पताल प्रबंधन ने डॉक्टर, मैनेजमेंट की गलती को नकारा

गलत इंजेक्शन लगने से मरीज की तबियत बिगड़ने के मामले में अस्पताल प्रशासन की ओर से डॉ. आकाश सिंह के द्वारा दी गई सफाई चौंकाने वाली है। प्रबंधन की ओर से इस लापरवाही को सामान्य तरीके से लेकर स्वीकार किया गया कि, मरीज को डिस्चार्ज होना था। डिस्चार्ज से पहले डॉक्टर ने डेक्सोना इंजेक्शन लिखकर दिया था, जो स्टेरॉयड होता है। फार्मेसी में गलती से 'डेक्सोना' की जगह 'डेक्सन' दे दिया गया। नाम मिलता-जुलता होने के कारण यह चूक हुई। इसके बाद वार्ड की नर्स ने भी बिना जांचे यह इंजेक्शन मरीज को लगा दिया। उन्होंने कहा डेक्सन एक तरह की नींद का इंजेक्शन है जो आमतौर पर गंभीर मरीजों को दी जाती है। बहरहाल प्रबंधन ने बड़ी साफगोई से पल्ला झाड़ने के लिए कह दिया कि, 'डॉक्टर, मैनेजमेंट से कोई गलती नहीं हुई है। दवा मिलता-जुलता नाम का होने के कारण गलती से फार्मासिस्ट ने दे दिया।' लेकिन ऐसी लापरवाही के बीच किसी की जान चली गई जाए, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा, यह स्पष्ट नहीं किया।

एनएच-43 में फंसी पवन साय की गाड़ी, मंत्रियों को फटकारा

दो घंटे मशक्कत के बाद निकली इनोवा वाहन, तो सामने आया जनता का दर्द

भड़के भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री तो शुरू हुआ सड़क मरम्मत का काम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा में खस्ताहाल नेशनल हाईवे 43 को लेकर भाजपा में ही हड़कंप मच गया है। बीती शाम भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की इनोवा कार हाईवे के गड्ढे में फंस गई। गाड़ी को निकालने में करीब 2 घंटे लग गए। अंबिकापुर पहुंचते ही पवन साय ने प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और एनएच के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। इसके बाद आनन-फानन में एनएच-43 में गड्ढों को भरने का काम शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, पवन साय बुधवार शाम सूरजपुर और कोरिया में आयोजित भाजपा की बैठक में शामिल होकर जशपुर से अंबिकापुर लौट रहे थे। रात करीब 7 बजे सीतापुर शहर के बीच एनएच-43 पर उनकी इनोवा गाड़ी गहरे गड्ढे में घुसकर फंस गई। मैकेनिक को बुलाना पड़ा और करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद गाड़ी बाहर निकाल पाई। इसके बाद उन्हें सीतापुर रेस्ट हाउस में उन्हें रुकना पड़ा। रात 9.30 बजे अंबिकापुर पहुंचे पवन साय को दरिमा मोड़ से भारत माता चौक तक पूरी तरह टूटी-फूटी सड़क से गुजरना पड़ा।

फोन पर प्रभारी मंत्री को लताड़ा

अंबिकापुर पहुंचते ही पवन साय ने जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी को फोन लगाया और सड़क की दुर्दशा को लेकर जमकर खरी-खोटी सुनाई। सूत्रों के अनुसार उन्होंने कहा 'क्या आप लोग कभी क्षेत्र में भ्रमण पर भी आते हैं? गुरुवार को सुबह पवन साय से मिलने पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया को भी उन्होंने नहीं बख्शा। पवन साय ने कहा 'अगर सब नेता ठेकेदार हैं तो श्रमदान क्यों नहीं करते?'

फटकार के बाद शुरू हुआ मरम्मत कार्य

प्रदेश संगठन महामंत्री की फटकार के बाद एनएच के अधिकारी हरकत में आए। गुरुवार से भारत माता चौक से दरिमा मोड़ तक गड्ढों में बोल्डर-गिट्टी डालकर भराई का काम शुरू कर दिया गया है। सीतापुर में भी गड्ढा भराई शुरू हो गई है।

कई किलोमीटर सड़क बदहाल

एनएच-43 में खरसिया नाका से दरिमा रोड तक सड़क पूरी तरह उखड़ गई है। पीजी कॉलेज से सिलफिली तक भी बड़े-बड़े गड्ढे हैं। भारत माता चौक से लुचकी और गांधी चौक से रेलवे स्टेशन मोड़ तक फोरलेन निर्माण के लिए टेंडर कर दिया है, लेकिन मरम्मत अब तक नहीं हुई थी। पहले सांसद ने भी सड़क सुधारने का निर्देश दिया था, लेकिन काम नहीं हुआ। अब संगठन महामंत्री की फटकार के बाद ही प्रशासन जागा है।

विवेचना की त्रुटियों को चिन्हित कर न्यायालय में मजबूती से पक्ष रखें

आईजी ने की 578 दोषमुक्ति प्रकरणों की रेंज स्तरीय समीक्षा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा के नेतृत्व में गुरूवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर, सरगुजा भवन अंबिकापुर में रेंज स्तरीय दोषमुक्ति प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मई एवं जून माह के सेशन न्यायालय के 174 एवं लेबर न्यायालय के 404 कुल 578 दोषमुक्ति प्रकरणों की बिन्दुवार समीक्षा की गई।

आईजी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में हर माह के मंगलवार को होने वाली बैठक में लंबित प्रकरणों की समीक्षा अनिवार्य रूप से की जाए। दोषमुक्ति के कारणों और विवेचना की त्रुटियों को चिन्हित कर साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय में मजबूती से पक्ष रखा जाए, ताकि दोषसिद्धि के आंकड़ों में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि ई-अभियोग पक्ष के तहत जिला अभियोजन अधिकारी को अभियोग पत्र न्यायालय में पेश करने के पर्याप्त समय पूर्व भेजा जाए। इससे पत्र में रह गई कमियों को समय रहते दूर किया जा सके और आरोपी को उसका लाभ न मिले। बैठक में उमनि/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, जशपुर लाल उमेद सिंह, कोरिया हरिश राठौर, बलरामपुर वैभव बैंकर, एमसीबी रत्ना सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन सहित संभाग के लोक अभियोजन अधिकारी एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

62 प्रकरणों में दोषसिद्धि पर सराहना

न्यायालय द्वारा मई-जून में सेशन कोर्ट के 62 प्रकरणों में दोषसिद्धि हुई है। इसमें हत्या के 18, हत्या के प्रयास के 12, बलात्कार के 08, एससी/एसटी एक्ट के 11, पॉक्सो एक्ट के 04, एनडीपीएस एक्ट के 07 एवं भ्रष्टाचार/ठगी के 02 प्रकरण शामिल हैं। आईजी ने दोषसिद्धि में वृद्धि पर संबंधित जिला अधिकारियों की सराहना की और कहा कि विवेचना के प्रारंभ से ही साक्ष्यों को सूक्ष्मता से संकलित कर केश डायरी में भौतिक साक्ष्य एवं गवाहों के कथन न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएं।

पक्षद्रोही होने पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

बलात्कार एवं पॉक्सो एक्ट के मामलों में लोक अभियोजक द्वारा पीड़िता का धारा-164 जाफौ/धारा 183 बीएनएसएस का न्यायालयीन कथन विचारण के दौरान ई-प्रदर्शन कराना अनिवार्य किया, ताकि पीड़िता विचारण में पक्षद्रोही हो तो उसके विरुद्ध धारा-344 दप्रसं/धारा-383 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की जा सके। इसी तरह झूठी रिपोर्ट करने वाले के विरुद्ध खारिजी स्वीकृति के बाद धारा-182, 211 भादसं/धारा 217, 248 बीएनएस के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

आईजी ने सात वर्ष से अधिक सजा वाले प्रकरणों में एफएसएल अधिकारियों की उपस्थिति में घटनास्थल का निरीक्षण कर भौतिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्य संकलित करने, एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में आज्ञापक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने, विवेचकों का रिफ्रेशर कोर्स कराने कहा, ताकि विवेचना में त्रुटि न हो।

जिपं में नवपदस्थ सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने कार्यभार ग्रहण किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवपदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित जिला पंचायत कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि रोमा श्रीवास्तव वर्ष 2020 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे उप सचिव मंत्रालय के पद पर पदस्थ थीं। कार्यभार ग्रहण के दौरान जिला पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बैल की हत्या कर मांस खाने के आरोप में 4 गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के त्रिकुंडा थाना क्षेत्र की डिंडो चौकी पुलिस ने बैल मारकर उसका मांस खाने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बैकुण्ठपुर निवासी दशरथ सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि, करीब एक माह पूर्व उन्होंने अपना एक बैल रामगुलाब कोरवा को चराने के लिए दिया था। बाद में बैल को मारकर खाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। विवेचना के दौरान आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने रामगुलाब कोरवा, सुदर्शन कोरवा, रामप्रसाद कोरवा और सम्पतिया कोरवा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर रामानुजगंज न्यायालय में पेश किया है।

पांचवीं के छात्र से मारपीट करने वाला प्रधानपाठक निलंबित

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। राजपुर विकासखंड के प्राथमिक शाला बालक आश्रम जिगड़ी में कक्षा 5वीं के छात्र से मारपीट के मामले को लेकर छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन ने प्रमुखता के साथ समाचार उठाया था, इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने प्रधान पाठक विपता राम रवि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कारवाई जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई है।

जांच के दौरान छात्र के भाई और विद्यार्थियों, शिक्षक उमेश कुमार महंत एवं प्रधान पाठक विपता राम रवि का कथन लिया गया। इसका पंचनामा बनाने के बाद विद्यालय की दैनिक उपस्थिति पंजी का परीक्षण किया गया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर 13 अगस्त को कक्षा 5वीं के छात्र जनक लाल के साथ प्रधान पाठक द्वारा डंडे से मारपीट करने की घटना प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाई गई। घटना के दिन छात्र को अनुपस्थित दर्ज करने संबंधी उपस्थिति पंजी में भी विसंगति मिली। जांच प्रतिवेदन में उक्त कृत्य को बच्चों के निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम तथा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियमों के विपरीत बताते हुए गंभीर कदाचार की श्रेणी में माना गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रधान पाठक विपता राम रवि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर कार्यालय निर्धारित किया गया है।

सुलगती भट्ठियों में चढ़ी थी शराब 135 लीटर महुआ शराब, 4700 किलो लाहन जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला आबकारी अधिकारी एल.के.गायकवाड के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक सरिता साहू के नेतृत्व में बुधवार को प्राप्त सूचना के आधार पर अवैध शराब के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। आबकारी वृत्त अंबिकापुर अंतर्गत अंबिकापुर के खैरबार निवासी अमृता केरकेट्टा के कब्जे से 135.00 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब, 34 ड्रम में शराब बनाने योग्य 4700 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 05 चढ़ी भट्ठी, जिसका बाजार मूल्य 2,48,500 रुपये है, इसे जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1)(क), 34(1)(ख), 34(1)(च), 34(2) व 59(क) के तहत गैर जमानती अपराध होने पर आरोपिया के विरूद्ध प्रकरण कायम कर गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया।

गड्ढे में भरे पानी में डूबने से 4 वर्षीय बच्ची की गई जान, बालक गंभीर

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा-बच्चों को घर पहुंचाने के बाद हुई घटना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा थाना क्षेत्र में स्टेडियम के समीप निर्माणाधीन पोस्ट मैट्रिक छात्रावास परिसर में पानी से भरे खुले गड्ढे में गिरने से 4 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। इसी हादसे में एक बालक की हालत गंभीर है और उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, सेमरपारा निवासी ऋतिक और जया गुरुवार सुबह आंगनबाड़ी केंद्र पढ़ने पहुंचे थे। सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच दोनों बच्चे आंगनबाड़ी के पास स्थित निर्माणाधीन छात्रावास परिसर में खेल रहे थे। इसी दौरान वे परिसर में पानी से भरे गड्ढे में जा गिरे। ग्रामीणों की मदद से बैठक में शामिल लोगों ने दोनों बच्चों को गड्ढे से बाहर निकालवा कर तत्काल लुण्ड्रा अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद जया को मृत घोषित कर दिया, ऋतिक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे अंबिकापुर रेफर किया गया है। बालक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। इधर प्रशासन की ओर से बताया गया है कि, बच्चों को सहायिका के द्वारा घर छोड़ने के बाद उक्त घटना हुई है।

निर्माणाधीन स्थल पर सुरक्षा पर सवाल-हादसे के बाद निर्माणाधीन पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल है कि सरकारी निर्माण स्थल पर खुले और पानी से भरे गड्ढे को घेरकर सुरक्षित क्यों नहीं किया गया? यदि बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगे होते तो दो मासूमों की जान आफत में नहीं पड़ती। फिलहाल पुलिस ने मृत बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि, निर्माण एजेंसी और संबंधित विभाग की लापरवाही तय कर जिम्मेदारी तय करके कड़ी कार्रवाई की जाए।

आंगनबाड़ी केन्द्र से घर छोड़ने के बाद हुई घटना-जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 20 अगस्त को सेक्टर पर्यवेक्षक रूबी कुमारी द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र सेमरडांड़ में सेक्टर के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी जा रही थी। इस दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र में चार बच्चे उपस्थित थे। आंगनबाड़ी सहायिका शिमला द्वारा बच्चों को भोजन कराने के बाद लगभग 11.15 बजे जया 4 वर्ष 10 माह, सरस्वती 7 वर्ष, ऋतिक 8 वर्ष तथा संतोषी 5 वर्ष 2 माह को उनके घर छोड़ने ले जाया गया। इसके पश्चात सहायिका वापस आंगनबाड़ी केन्द्र लौट आई थी।

बच्चों को घर छोड़ने की पुष्टि कर रहे मजदूर-लगभग 12.55 बजे आंगनबाड़ी केन्द्र में बैठक कर रहे कर्मचारियों को बच्चों के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। सेक्टर पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य किया। निर्माणाधीन छात्रावास में कार्यरत मजदूरों द्वारा दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद जया की डूबने से मृत्यु होने की पुष्टि हुई, जबकि ऋतिक को सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के संबंध में परियोजना अधिकारी एवं सेक्टर पर्यवेक्षक द्वारा निर्माणाधीन छात्रावास में कार्यरत मजदूर कुलदीप एवं फुलेश्वर से जानकारी ली गई। मजदूरों ने चारों बच्चों को आंगनबाड़ी सहायिका द्वारा घर छोड़ने के लिए ले जाते हुए देखे जाने की पुष्टि की।

मृत्यु में किसी के लापरवाही की पुष्टि नहीं-जिला कार्यक्रम अधिकारी के अनुसार प्रकरण की जांच में यह भी सामने आया कि आंगनबाड़ी केन्द्र के समीप निर्माणाधीन छात्रावास के पीछे लगभग 6 से 7 फीट गहरा गड्ढा था, जिसमें लगातार बारिश के कारण पानी भर गया था। घटना के संबंध में सीसीटीवी फुटेज का भी अवलोकन किया गया है। उपलब्ध तथ्यों एवं फुटेज के आधार पर आंगनबाड़ी सहायिका द्वारा बच्चों को घर छोड़ने के बाद उन्हें वापस आंगनबाड़ी केन्द्र ले जाने या घटना स्थल पर छोड़ने की बात सामने नहीं आई है। प्रारंभिक जांच में आंगनबाड़ी सहायिका की लापरवाही के कारण बच्ची की मृत्यु होने की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

के आर टेक्निकल कॉलेज
(Regular | Private | Distance)
SINCE 2008
ADMISSION OPEN 2026-27
मान्यताएं
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा से सम्बद्ध
छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
इग्नू का स्टडी सेंटर
COURSES OFFERED
UG COURSES: BCA, BBA, BCOM, BSC BIO, BSC MATHS, BSC CS, BA
PG COURSES: MSC CS, MSC IT, MSC BOTANY, MSC ZOOLOGY, MSC CHEMISTRY, MSC MATHS, MSC PHYSICS, MCOM, MSW, MA HINDI
PROFESSIONAL COURSES: DCA, PGDCA, PGDBM, PGDRD, BLIB
SCHOLARSHIP FACILITIES
विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए)
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
सीमित कोर्स में फ्री कोचिंग सुविधा उपलब्ध
COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के पास, काली घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़
9926513170, 9826612781
CITY OFFICE: कृष्ण आभा भवन, रिंग रोड, नमना कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़
9826183771

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

गड्ढों में तब्दील हुई राष्ट्रीय राजमार्ग व बनारस हाइवे मार्ग की सड़क

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बारिश का मौसम शुरू होते ही सूरजपुर जिले की बदहाल सड़कों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। कई प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से सड़क पर सफर करना जोखिम भरा हो गया है। बारिश के पानी से गड्ढों के भर जाने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा भी नहीं लग पाता, जिससे दोपहिया और चारपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका लगातार बनी हुई है। इस गंभीर समस्या को लेकर युकां भटगांव विधानसभा अध्यक्ष विक्की समद्दार ने कलेक्टर सूरजपुर को पत्र सौंपकर जिले की प्रमुख सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है। कलेक्टर को दिए गए पत्र में विक्की समद्दार ने उल्लेख किया है कि जिले में बारिश से सड़कों की स्थिति अत्यंत खराब हो गई है। कई स्थानों पर सड़कें इतनी जर्जर हो चुकी हैं कि उन्हें सड़क कहना भी मुश्किल है और वे अब गड्ढों के रास्ते में तब्दील होती नजर आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की है। समद्दार ने विशेष रूप से पार्वतीपुर हनुमान मंदिर से अजबनगर तक एनएच 43 की बदहाल स्थिति का उल्लेख कर बताया कि इस मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और गड्ढे के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है। तेज रफ्तार वाहनों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग पर आए दिन छोटी-बड़ी वाहन दुर्घटनाओं की स्थिति बन रही है और वाहन चालकों को बेहद सावधानी से आवागमन करना पड़ रहा है। कई जगह तो हालात ऐसे हैं कि यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क। इसी तरह सोनवाही से सोनगरा तक अम्बिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग की स्थिति को लेकर भी उन्होंने चिंता जताई है। पत्र में कहा गया है कि इस मार्ग पर भी बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं और बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई है। मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन होता है, ऐसे में सड़क की खराब स्थिति दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है।

समद्दार ने सड़क से पानी की निकासी अथवा क्रॉसिंग के नाम पर सड़क किनारे गड्ढे खोदकर उन्हें खुला छोड़ दिए जाने पर भी सवाल उठाया है। उनका कहना है कि ऐसे स्थानों पर आए दिन वाहन धंसने और दुर्घटनाग्रस्त होने की स्थिति बनती रहती है। पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, संकेतक और बैरिकेडिंग नहीं होने से वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ गया है। युकां नेता ने पत्र में आरोप लगाया है कि इन समस्याओं को लेकर समय-समय पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है, लेकिन इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई तो बारिश के दौरान हालात और गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने कलेक्टर से जिले की प्रमुख सड़कों का तत्काल निरीक्षण कराने, बड़े गड्ढों को भरवाने, जलभराव वाले स्थानों की व्यवस्था सुधारने तथा सड़क किनारे खोदे गए गड्ढों को सुरक्षित कराने की मांग की है। समद्दार ने चेतावनी दी है कि यदि सड़कों की बदहाली दूर करने के लिए जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो युवा कांग्रेस द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सुभद्रा महिला मंडल द्वारा मनाया गया सावन उत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर में गत दिनों सुभद्रा महिला मंडल द्वारा पुष्प वाटिका में सावन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। गौरतलब है कि नगर के श्री जगन्नाथ मंदिर के महिला मंडल सुभद्रा ग्रुप द्वारा मंदिर प्रांगण में धूमधाम से सावन उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें समाज सहित अन्य महिलाएं शामिल हुई। सावन उत्सव के अवसर पर पारंपरिक हरे रंग की साड़ी पहन कर महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, साथ ही गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति भी दिया गया। सावन उत्सव के अवसर पर ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर सुभद्रा महिला मंडल द्वारा सभी महिलाओं को सावन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुभद्रा महिला अध्यक्ष दीप्ति स्वाई, गीता स्वाई, मंजू स्वाई, लक्ष्मी प्रधान, प्रियंका देहरी, नीलाद्री साहू, लक्ष्मी नायक, सुज्ञानी साहू, संगीता पंडा, आरती, सरिता, मीरा, प्रभासिनी नायक, रीता त्रिपाठी, ममता, लक्ष्मी नायक, अमूल्य, स्नेहलता, गीता, मालती कश्यप, सीता देवी, सविता, सुषमा, रीता व अन्य सक्रिय रहे।

सेवा सेतु से आसान हुई राह, किसान के बच्चों का बना स्थायी जाति प्रमाण पत्र

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन द्वारा नागरिकों को शासकीय सेवाएं सहज, सरल और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों का लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ने खेती-किसानी में व्यस्त किसान श्री बच्चू राम के लिए अपने बच्चों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया को आसान कर दिया।

विकासखण्ड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम भेलवाडीह निवासी श्री बच्चू राम ने बताया कि वर्तमान में खेती-किसानी का समय होने के कारण उसके लिए बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु कार्यालयों के चक्कर लगाना मुश्किल था। इसी दौरान उसे सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा की जानकारी मिली। उन्होंने बिना कार्यालय पहुंचे अपने बच्चों के स्थायी जाति प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन के लगभग एक माह बाद उनके बच्चों का स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। बच्चू राम ने बताया कि खेती-किसानी के व्यस्त समय में ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उसके लिए काफी उपयोगी साबित हुई। सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने से उसे बार-बार कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी और उसके बच्चों के प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत बनकर तैयार हो गया। वे बताते हैं कि सेवा सेतु के माध्यम से मुझे काफी सुविधा मिली। इस सुविधा के लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का धन्यवाद करता हूं।

शासकीय सेवाओं की पहुंच हो रही आसान

सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन जैसी सुविधाओं से ग्रामीणों को शासकीय सेवाओं का लाभ लेने में सहूलियत मिल रही है। इससे लोगों का समय और श्रम बचने के साथ ही शासकीय प्रक्रियाओं को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाने में मदद मिल रही है। डिजिटल माध्यम से शासकीय सेवाओं की पहुंच आम नागरिकों तक सहजता से पहुंच रही है।

प्रतिबंध के बाद मछली पकड़ने गए युवक की डूबने से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रतिबंध के बावजूद पासंग नाला में मछली पकड़ने गेज युवक की डूबने से मौत हो गई है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत करमपुर वरपारा निवासी 35 वर्षीय कलेश्वर पिता रोपन उरांव बुधवार को घर से पासंग नाला बरकोना मछली पकड़ने जाल लेकर गया था, जो वापस घर नहीं लौटा। परिजन द्वारा युवक की तलाश किए जाने पर पासंग नाला में डूबने से युवक की मौत हो गई थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

जिले में अब तक 971.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कार्यालय भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून 2026 से अब तक 971.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्रतिवेदित दिनांक को तहसील बलरामपुर में 140.3 मि.मी., डौरा-कोचली में 131 मि.मी., कुसमी में 292 मि.मी, सामरी में 117 मि.मी., चांदो में 138.4 मि.मी., शंकरगढ़ में 96.2 मि.मी., रामानुजगंज में 108.4 मि.मी., रामचंद्रपुर में 91 मि.मी., राजपुर में 75 मि.मी., वाड्रफनगर में 95.2 मि.मी., रघुनाथनगर में 114.8 मि.मी. तथा चलगली में 70.3 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

इस प्रकार बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में प्रतिवेदित तिथि को कुल 1469.6 मि.मी. वर्षा हुई है।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में 01 जून से अब तक तहसील बलरामपुर में 1084.3 मि.मी., डौरा-कोचली में 1158.6 मि.मी., कुसमी में 2094 मि.मी., सामरी में 843.7 मि.मी., चांदो में 817.5 मि.मी. शंकरगढ़ में 1016.7 मि.मी., रामानुजगंज में 780.5 मि.मी., रामचंद्रपुर में 766 मि.मी., राजपुर में 431.3 मि.मी., वाड्रफनगर में 1038.4 मि.मी., रघुनाथनगर में 943.5 मि.मी. एवं चलगली में 687.9 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

खनन बंद होने से प्रभावित लोगों की आजीविका के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला स्तरीय सलाहकार समिति अध्यक्ष एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के अंतर्गत एसईसीएल भटगांव क्षेत्र को आबंटित कोयला ब्लॉक चौरा एवं परसवारकला में खनन बंद करने की कार्ययोजना तैयार करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा खनन बंद होने के पश्चात संबंधित प्रभावित ग्रामों एवं लोगों की आजीविका को बनाए रखने तथा वैकल्पिक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर ने संबंधित ग्राम पंचायत चौरा एवं परसवारकला के सचिव एवं सरपंच को ग्राम पंचायत में बैठक आयोजित कर खनन बंद होने से प्रभावित व्यक्तियों की आजीविका के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। ताकि आगामी बैठक में कार्ययोजना प्रस्तुत कर उसका अनुमोदन किया जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर आर. एस. लाल, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं सचिव, एवं संबंधित सदस्य उपस्थित रहे।

जुलाई में मिलनी थी किताबें, अगस्त में भी बच्चों के हाथ खाली

आधे-अधूरे पुस्तक वितरण से पढ़ाई प्रभावित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले नौनिहालों के लिए जहां नई किताबों का इंतजार खत्म हो जाना चाहिए था, वहीं अगस्त माह बीतने को है और कई बच्चों को अब तक पूरी पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। कहीं कुछ विषयों की किताबें पहुंची हैं तो कहीं कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का अब भी इंतजार है। पुस्तक वितरण की इस आधी-अधूरी व्यवस्था का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद बच्चों को नियमित पढ़ाई के लिए समय पर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी मानी जाती है। नियमानुसार जुलाई माह तक नए सत्र की पुस्तकें विद्यार्थियों तक पहुंच जानी चाहिए थी, ताकि शिक्षक निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई आगे बढ़ा सकें और बच्चे भी घर पर नियमित अध्ययन कर सकें। लेकिन वर्तमान स्थिति में कई विद्यालयों में पुस्तकें पूरी संख्या में उपलब्ध नहीं होने से शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा उपलब्ध पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों के बीच किया जा चुका है, लेकिन शेष किताबों के लिए लगातार विभागीय अधिकारियों से मांग की जा रही है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर आवश्यक पुस्तकों की आपूर्ति कराने का आग्रह भी किया गया है। बावजूद इसके अब तक सभी विद्यार्थियों को पूर्ण सेट उपलब्ध नहीं हो पाने से व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। ज्ञात हो कि प्राथमिक कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के लिए पाठ्यपुस्तकें पढ़ाई का सबसे महत्वपूर्ण आधार होती हैं। कक्षा में शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ को दोहराने, गृहकार्य करने और परीक्षा की तैयारी के लिए बच्चों को किताबों की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि किसी विद्यार्थी के पास विषय की किताब ही नहीं है तो वह अपने सहपाठियों के साथ कदम से कदम मिलाकर पढ़ाई कैसे कर पाएगा, यह बड़ा सवाल है। अधूरी किताबों के साथ पढ़ाई कराने से शिक्षकों के सामने भी चुनौती खड़ी हो रही है। एक ओर पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने का दबाव है, वहीं दूसरी ओर सभी बच्चों के पास आवश्यक पुस्तकें नहीं होने से पढ़ाई की गति प्रभावित हो रही है। इसका सबसे अधिक खामियाजा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को उठाना पड़ रहा है।निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण योजना का उद्देश्य ही यह है कि किसी भी बच्चे की पढ़ाई केवल किताबों के अभाव में बाधित न हो। ऐसे में सत्र के शुरुआती महीनों में ही यदि बच्चों को पूरी किताबें उपलब्ध नहीं हो पाती हैं तो योजना के क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की पढ़ाई का नुकसान समय बीतने के बाद पूरा करना आसान नहीं होता। विद्यालय प्रबंधन द्वारा लगातार पुस्तकें उपलब्ध कराने की मांग किए जाने के बावजूद यदि समस्या बनी है तो विभागीय स्तर पर इसकी समीक्षा आवश्यक है। विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शेष पाठ्यपुस्तकों की आपूर्ति जल्द से जल्द कर सभी विद्यार्थियों को किताबों का पूरा सेट उपलब्ध कराया जाए।

भारी वर्षा के बीच प्रशासन अलर्ट, जलस्त्रोतों और पुल-पुलिया पर रखी जा रही सतत निगरानी

जलभराव एवं संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों में मुनादी कराकर आमजन को किया जा रहा सतर्क

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में हो रही भारी वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिले के सभी तालाब, एनीकट, बांध, नहर, पुल-पुलिया सहित जलभराव की संभावित स्थिति वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। जलस्त्रोतों के जलस्तर, बांध एवं एनीकट से पानी के बहाव तथा पुल-पुलियों की स्थिति पर विशेष नजर रखी जा रही है।संभावित जलभराव एवं अन्य परिस्थितियों को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। साथ ही जलभराव एवं जोखिम वाले क्षेत्रों में आमजन को सतर्क करने के लिए मुनादी भी कराई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नदी-नालों, एनीकट, बांध एवं पुल-पुलियों के आसपास न जाने तथा जलभराव वाले स्थानों पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की जा रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि भारी वर्षा के दौरान नदी-नालों, एनीकट, बांध एवं जलभराव वाले क्षेत्रों के पास अनावश्यक रूप से न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। प्रशासन द्वारा स्थानीय स्तर पर लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

प्रशासन द्वारा निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए आमजन की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। सर्व संबंधित अधिकारियों को किसी भी संभावित अप्रिय स्थिति की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को देने तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

माय भारत पोर्टल, राष्ट्र निर्माण से जुड़ने युवाओं के लिए डिजिटल मंच

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। माय भारत पोर्टल युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने वाला भारत सरकार का प्रमुख डिजिटल मंच है। जहां 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को पोर्टल से जोड़ा जा रहा है। जिससे युवाओ को सशक्त बनाने, सामुदायिक विकास से जोड़न, स्वरोजगार,स्वयंसेवा, कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा एवं विभिन्न शासकीय कार्यक्रमों में सहभागिता के अवसर मिलेगा। ताकि वे भविष्य में उपलब्ध होने वाले विभिन्न अवसरों का लाभ प्राप्त कर सकें।

इसी कड़ी में माय भारत कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में 20 अगस्त 2026, को महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के नागरिकों एवं युवाओं का माय भारत कार्यक्रम में नि:शुल्क पंजीयन किया किया जाएगा।

जिले के सभी पात्र युवा पंजीयन लिंक https://forms.gle/xyKPx8jyZgR2kPD17 के माध्यम से स्वयं अपना पंजीयन कर सकते हैं। और विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों से जुड़कर सहभागीता कर सकते हैं।

जिला नोडल अधिकारी एवं उप संचालक पंचायत श्री गौरव साहू ने बताया है कि माय भारत कार्यक्रम में पंजीयन पूर्णत: नि:शुल्क है तथा पंजीयन के लिए किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त 2026 पंजीयन की अंतिम तिथि है। उन्होंने स्कूलों एवं महाविद्यालयों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।जिले के युवाओं, स्कूल एवं कॉलेज के प्राचार्यों, संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों तथा सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी कर महाअभियान को सफल बनाने की अपील की है।

44 लाख का 88.430 किलो गांजा व बोलेरो जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रेमनगर पुलिस की कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्रेमनगर पुलिस ने बोलेरो वाहन से 88.430 किलो गांजा जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जप्त गांजे की कीमत 44 लाख रुपये बताई गई है। बताया गया है कि पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले में नशे के अवैध कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने तथा नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में बीते बुधवार की रात्रि में प्रेमनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग का बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 16 सीएन 7570 में अवैध गांजा परसाकेते की ओर से बचरापोड़ी जिला कोरिया की ओर जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ग्राम रघुनाथपुर चौक के पास नाकाबंदी कर उक्त बोलेरो वाहन को रोकने का प्रयास किया तो चालक पुलिस को देखकर बस्ती की ओर भागा जिसे घेराबंदी कर ब्रम्हपुर में पकड़ा गया। पूछताछ पर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम उमरे आजम उर्फ नान्हू खान पिता स्व. अयुब खान उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम पोड़ी बचरा, थाना बैकुण्ठपुर जिला कोरिया का होना बताया। पूछताछ उसने यह भी बताया कि पुलिस द्वारा रोकवाने का प्रयास करने पर भागते समय अपने वाहन को हास्पिटल परिसर में छिपाकर वाहन को छोड़कर बाईक से लिफ्ट लेकर भाग रहा था और उक्त वाहन में गांजा है। पुलिस आरोपी को लेकर मौके पर पहुंची जहां उसके निशानदेही पर 88 किलो 430 ग्राम गांजा जप्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 44 लाख रुपये है।

पुलिस ने गांजा एवं परिवहन में प्रयुक्त बोलेरो वाहन जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 20(बी),(आईआई),(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में एएसआई गुड्डू कुशवाहा, सुप्रियन टोप्पो, पीएसआई पुलेश्वर ध्रुव, प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा, प्रमोद लकड़ा, आरक्षक सत्यम सिंह, हरिशचंद दास, दीपक यादव, बृजेश काशी व संतोष ठाकुर की सक्रिय भूमिका रही।

सहयोग की अपील

पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने कहा है कि नशे के अवैध कारोबार के विरूद्ध पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। नशा केवल व्यक्ति के जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि नशे के कारोबार से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। उन्होंने आमजन से नशे के विरूद्ध कार्रवाई के अभियान में पुलिस का साथ देने और सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के सामूहिक प्रयासों से ही जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

तेल-सिंदूर से सम्मानः आंचल में चना देकर शुरू हुई धान रोपाई

पुष्पा नेताम ने निभाई ग्रामीण परंपरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम की धर्मपत्नी पुष्पा नेताम ने अपने गृह ग्राम सनावल स्थित बहरा खेत में पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ धान रोपाई का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने खेत में रोपा लगाने पहुंची बनिहार महिलाओं का पारंपरिक तरीके से सम्मान किया। धान रोपाई शुरू करने से पहले पुष्पा नेताम ने बनिहार महिलाओं का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने महिलाओं को तेल-सिंदूर लगाया और उनके आंचल में चना देकर सम्मानित किया। इसके बाद खेत में विधिवत धान रोपाई शुरू हुई। इस दौरान महिलाओं ने उत्साह के साथ रोपा लगाया और खेत में ग्रामीण संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई दी। पुष्पा नेताम ने बनिहार महिलाओं से खेती-किसानी को लेकर चर्चा की। उन्होंने किसानों को जैविक कृषि अपनाने और प्राकृतिक तरीकों को बढ़ावा देने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ ग्रामीण संस्कृति और आपसी सहयोग की भावना को भी सहेजना जरूरी है। धान रोपाई के दौरान महिलाएं पारंपरिक परिधानों में खेत पहुंचीं। तेल-सिंदूर लगाकर और आंचल में चना देकर बनिहार महिलाओं के सम्मान की परंपरा ने ग्रामीण जीवन की आत्मीयता और संस्कारों को सामने रखा। रोपा शुरू करने का यह पारंपरिक आयोजन खेती-किसानी से जुड़े सामाजिक रिश्तों और छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति का सुंदर उदाहरण बना।

स्मार्ट मीटर के बाद 1100 से 3500 पहुंचा बिजली बिल!

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की बैठक मां तारा गोपाल हाइट्स में अध्यक्ष मधु गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने के साथ स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल में कथित बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस ने नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों में उपभोक्ताओं की समस्याएं दर्ज कराकर उनके समाधान की दिशा में अभियान चलाने का निर्णय लिया। अभियान की शुरूआत वार्ड क्रमांक 8 से हुई। यहां उपभोक्ताओं ने कांग्रेस पदाधिकारियों को अपनी बिजली बिल संबंधी समस्याएं बताईं और शिकायत फार्म भरवाए। कुछ उपभोक्ताओं ने दावा किया कि स्मार्ट मीटर लगने से पहले उनके घर का बिजली बिल करीब 1100 रुपये आता था, जो अब बढ़कर करीब 3500 रुपये तक पहुंच गया है। उपभोक्ताओं ने कहा कि बढ़े हुए बिल के कारण उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता और बढ़े बिजली बिल के बीच भी अपनी परेशानी रखी। उनका कहना था कि एक तरफ मिलने वाली सहायता राशि है, दूसरी तरफ बिजली खर्च बढ़ने से घरेलू बजट पर उसका असर कम हो रहा है। मौके पर मौजूद कांग्रेस के जिला पदाधिकारियों, ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यों, मंडल अध्यक्षों और पंचायत पदाधिकारियों ने उपभोक्ताओं के फार्म भरवाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि वार्ड-वार शिकायतें एकत्र कर संबंधित स्तर पर कार्रवाई के लिए भेजी जाएंगी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने कहा कि यह अभियान केवल वार्ड क्रमांक 8 तक सीमित नहीं रहेगा।

फर्जी शिक्षाकर्मी वर्ग-3 नियुक्ति की जांच हेतु गठित समिति पर गम्भीर आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शिवसेना ने नई समिति गठित कर जांच कराने की मांग,

प्रेमनगर एवं रामनुजनगगर का मामला

सूरजपुर। जिले के रामानुजनगर एवं प्रेमनगर विकासखंड में वर्ष 2005 से 2008 के दौरान हुई कथित फर्जी शिक्षा कर्मी वर्ग-3 नियुक्ति मामले की जांच हेतु नियुक्त अधिकारी रामानुजनगर एसडीएम पर शिवसेना ने गम्भीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल जांच समिति से हटाने एवं नई समिति गठित कर जांच कराने की मांग की है। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को उक्ताशय का ज्ञापन सौपते हुए शिवसेना जिलाध्यक्ष हेमंत महंत ने बताया है कि वर्ष 2005 से 2008 तक जिले के रामानुजनगर एवं प्रेमनगर में शिक्षा कर्मी वर्ग-3 की नियुक्तियां की गई थी। जिनमे व्यापक पैमाने पर सुविधा शुल्क लेकर फर्जी नियुक्ति की गई है। जिसकी जांच की मांगो को लेकर पूर्व में कलेक्टर, जिला पंचायत सूरजपुर एवं सरगुजा मे ज्ञापन सौंपा गया था। जिस पर 25 सितंबर 2024 को तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जांच हेतु आदेश जारी करते हुए समिति का गठन किया गया था। जिसमे एसडीएम रामानुजनगर अजय मेमोडियम के नेतृत्व में तहसीलदार प्रेमनगर एवं रामानुजनगर, सहायक शिक्षा अधिकारी एवं सीईओ एवं बीईओ प्रेमनगर व रामानुजनगर को समिति में शामिल कर निष्पक्ष जांच का जिम्मा सौंपा गया था। आरोप है कि उक्त जांच समिति के द्वारा जांच के नाम पर और गुमराह किया जा रहा है। आरोप यह भी है कि सम्बन्धितों से सुविधा शुल्क लेकर समिति जांच को दबाने की कोशिश कर रही है। शिवसेना का आरोप है कि एसडीएम रामानुजनगर को कई शिक्षाकर्मियों का फर्जी दस्तावेज 74 पेज का सबूत के रूप में वर्ष 2025 मे उपलब्ध कराया गया था।

राजीव गांधी की जयंती पर हुआ रन फॉर राजीव मैराथन का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर द्वारा गुरुवार को रन फॉर राजीव मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। एकता, भाईचारे, स्वस्थ जीवनशैली और युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने के संदेश के साथ आयोजित इस मैराथन में 300 से अधिक धावकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मैराथन का शुभारंभ अग्रसेन चौक से हुआ, जहां से धावक कलेक्ट्रेट गेट से होते हुए पुनः अग्रसेन चौक पहुंचे। खास बात यह रही कि आयोजन के दौरान बारिश होने के बावजूद युवाओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बरसते पानी में युवा और युवतियां पूरे जोश के साथ दौड़ते नजर आए। देशभक्ति और उत्साह से भरे माहौल में प्रतिभागियों ने मैराथन को सफल बनाया। मैराथन में जिला कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी शामिल हुए और प्रतिभागियों के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़े। बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया। आयोजकों ने बताया कि रन फॉर राजीव का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ स्वर्गीय राजीव गांधी के विचारों और उनके आधुनिक एवं सशक्त भारत के सपने को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। मैराथन में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। मैराथन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए थे। प्रथम पुरस्कार 10,000 रतनपुर बिलासपुर के मनीष कुमार को, द्वितीय 5,000 नीरज कुमार अगस्तपुर, तृतीय 3,000 असलेश राजवाड़े अगस्तपुर को तथा चतुर्थ 1,111 हिम्मत लाल भटगांव को प्रदान किया गया। वही महिला धाविका में फलेश्वरी राजवाड़े नमदगिरी व प्रज्ञा राजवाड़े चन्द्रिकापुर को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। मैराथन में सूरजपुर जिले के साथ कोरिया, बलरामपुर, सरगुजा, जशपुर, बिलासपुर, कोरबा व पेंड्रा जिले से धावक पहुँचे थे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष शशि सिंह सहित कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। बारिश के बीच भी प्रतिभागियों के उत्साह और अनुशासन ने आयोजन को यादगार बना दिया। वही एक कदम स्वास्थ्य की ओर, एक कदम बेहतर भारत की ओर के संदेश के साथ संपन्न हुई। मैराथन ने सूरजपुर में राजीव गांधी जयंती को युवा ऊर्जा और सामाजिक एकजुटता के साथ मनाने का संदेश दिया। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुभाष गोयल, पूर्व नपा अध्यक्ष के के अग्रवाल, आदिवासी नेता विद्या सागर सिंह, संगठन महामंत्री संजय डोसी, इस्माईल खान, जी एस मिश्रा, सुनील अग्रवाल, नरेंद्र जैन, सुनील सारथी, वेद प्रकाश मिश्रा, महेंद्र साहू, अरविंद यादव, केबी सिंह, अंशुल गोयल, विनय मिश्रा, अविनाश साहू, बबीता गुप्ता, बिहारी कुलदीप, विक्की समददार, तपन सिकदार, रोहित कनोजे, दिनेश राजवाड़े सहित जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश कुशवाहा और उनकी एथलेटिक संघ की टीम आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय रही।

सावन मास के अंतिम सोमवार को निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दतिमा मोड। सावन मास के पावन अवसर पर चौथे सोमवार 24 अगस्त को बजरंग दल व दुर्गा वाहिनी, गौरी शंकर मंदिर समिति के तत्वावधान में गाजे बाजे के साथ भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यात्रा में कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के शामिल होंगें। मुख्य आकर्षण झाखी जिसमें शिव तांडव देखने को मिलेगी। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ खोपा रेड नदी से होगा। कांवड़िए पवित्र जल लेकर निर्धारित मार्ग से होते हुए खोपा मुख्य चौक प्रवेश कर धरतीपारा चौक, नावापारा चौक, राई होते हुए दतिमा चौक होते हुए गौरी शंकर मंदिर दतिमा पहुंचेंगे, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक एवं विधिवत पूजन किया जाएगा। बजरंग दल खंड संयोजक देवा राजवाड़े व अविनाश यादव क्षेत्र के सभी शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कांवड़ यात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूरे मार्ग में आवश्यक सुरक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह प्रशासन से किया गया है। साथ ही यात्रा मार्ग एवं मंदिर परिसर में पर्याप्त पुलिस बल, यातायात व्यवस्था का भी अनुरोध किया गया है।

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारियों का हुआ मॉकड्रिल, ग्राम जवराही में परखी गई रेस्क्यू टीम की तत्परता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बलरामपुर। संभावित बाढ़ आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा प्रशासन एवं रेस्क्यू टीम की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से ग्राम जवराही में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। भारत सरकार के गृह मंत्रालय एवं राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नई दिल्ली के सहयोग से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित इस अभ्यास में बाढ़ जैसी आपदा के दौरान किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। मॉकड्रिल के दौरान आपदा की स्थिति निर्मित कर प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, रेस्क्यू ऑपरेशन संचालित करने तथा जरूरतमंदों तक तत्काल राहत एवं स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों एवं रेस्क्यू टीम ने आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। अभ्यास के माध्यम से यह भी परखा गया कि बाढ़ जैसी आपात स्थिति में सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग कितनी तेजी से मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सकते हैं। प्रशासन ने आपदा के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित रेस्क्यू और प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की तैयारियों का जायजा लिया।

विद्यालय में हुई कुश्ती प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। नागपंचमी के अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में विद्यार्थियों के बीच पारंपरिक खेल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और अपनी खेल प्रतिभा एवं शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षक योगेश साहू ने विद्यार्थियों को नागपंचमी पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नागपंचमी भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसमें नाग देवता की पूजा की जाती है। साथ ही विद्यार्थियों को हमारी लोकपरंपराओं एवं पारंपरिक खेलों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। कुश्ती प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न दांव-पेंच आजमाते हुए उत्साह के साथ मुकाबला किया। साथी विद्यार्थियों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर गूंजा सद्भावना और एकता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निदेर्शानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी रामानुजनगर ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत राजीव गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि से हुई। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके व्यक्तित्व, विचारों और राष्ट्र निर्माण में योगदान को याद करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी दूरदर्शी सोच रखने वाले नेता थे, जिन्होंने युवाओं को राष्ट्र की शक्ति मानते हुए आधुनिक, तकनीक-सक्षम और प्रगतिशील भारत का सपना देखा। उनके कार्यकाल से जुड़े शिक्षा, दूरसंचार और तकनीकी विकास जैसे प्रयासों ने देश की विकास यात्रा को नई दिशा दी। उनकी जयंती पर देशभर में उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है और 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी की जयंती केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और देश की एकता, अखंडता तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि युवा पीढ़ी उनके आधुनिक भारत के सपने, नई तकनीक के प्रति उनकी सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों को समझे। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने आपसी भाईचारे, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने तथा राजीव गांधी के सपनों के भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

चिंतन

बढ़ती महंगाई बनी चुनौती दूरदर्शी नीतियों की दरकार

मुद्दा
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

महंगाई अब नई चुनौती पेश कर रही है। ऐसे में भारत के सामने चुनौती केवल खाद्य कीमतों को नियंत्रित रखने की नहीं, बल्कि उस पूरी श्रृंखला को सुरक्षित रखने की है जो खेत से थाली तक पहुंचती है। पश्चिम एशिया का तनाव, महंगी ऊर्जा, उर्वरक संकट और मौसम की अनिश्चितता अलग-अलग खतरे जरूर हैं, लेकिन इनके एक साथ आने पर इनका असर कहीं ज्यादा गंभीर हो सकता है। सरकार को संकट बढ़ने का इंतजार करने के बजाय अभी से उर्वरक भंडार, घरेलू उत्पादन, वैकल्पिक आयात स्रोत और खाद्य भंडारण मजबूत करने जैसी नीतियां बनाकर आमजन को महंगाई की आग से बचाना होगा। वहीं, किसानों को भी जलवायु-अनुकूल और कम लागत वाली खेती की ओर बढ़ना होगा। आने वाले वर्षों में खाद्य महंगाई के पीछे अंतरराष्ट्रीय राजनीति, ऊर्जा संकट, उर्वरकों की उपलब्धता और मौसम में बदलाव जैसे कारक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। जेपी मॉर्गन की चेतावनी इसी व्यापक खतरे की ओर संकेत करती है। रिपोर्ट के अनुसार 2027 की पहली छमाही में वैश्विक खाद्य कीमतों में करीब पांच प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है और खाद्य वस्तुओं की कीमतों का सीधा असर रसोई पर पड़ता है। इसलिए खाद्य महंगाई को केवल बाजार में मांग और आपूर्ति के नजरिये से देखना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे बड़ी चिंता उर्वरकों को लेकर है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव यदि लंबे समय तक बना रहता है तो गैस और उर्वरकों की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इसका असर अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर पड़ेगा और भारत की आयात लागत भी बढ़ सकती है। भारत में किसानों को सस्ती दर पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए पहले ही भारी सब्सिडी देती है। किसानों को महंगी खाद से बचाने के लिए सब्सिडी बढ़ाई जाती है तो राजकोषीय बोझ बढ़ेगा। दूसरी ओर सब्सिडी सीमित की जाती है तो किसानों की उत्पादन लागत बढ़ सकती है। इसका असर फसल की कीमतों पर पड़ना तय है और अंततः इसका भार उपभोक्ता पर आ सकता है। मौसम का मोर्चा भी कम अहम नहीं है। 2026 के अंत या 2027 में मजबूत अल नीनो की संभावना को लेकर जताई जा रही आशंकाएं भारत के लिए विशेष महत्व रखती हैं। हालांकि 1997 में मजबूत अल नीनो के बावजूद भारत में सामान्य से अधिक बारिश हुई थी। इसलिए किसी एक मौसम संबंधी घटना को खाद्य संकट का निश्चित कारण मानना उचित नहीं होगा। फिर भी जलवायु परिवर्तन के दौर में सूखा, अत्यधिक बारिश, गर्मी और अनियमित मानसून के जोखिम बढ़े हैं। कृषि नीति को इन अनिश्चितताओं को ध्यान में रखकर तैयार करना होगा। खाद्य महंगाई का सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्ग पर पड़ता है। अनाज, दाल, सब्जी और दूध जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमत बढ़ने पर परिवारों का बजट बिगड़ता है। इसलिए सरकार को केवल महंगाई के आंकड़े नियंत्रित करने के बजाय उन कारणों पर भी काम करना होगा जो कीमतों को ऊपर ले जाते हैं। जेपी मॉर्गन का अनुमान अंतिम सत्य नहीं है। वैश्विक बाजार और मौसम की परिस्थितियां बदल सकती हैं, लेकिन चेतावनी नजरअंदाज करना भी उचित नहीं है। भारत को खाद्य सुरक्षा को उर्वरक, ऊर्जा, जल और जलवायु सुरक्षा से जोड़कर व्यापक रणनीति तैयार करनी होगी। यही दूरदर्शिता किसान की लागत और आम आदमी की थाली, दोनों को भविष्य की वैश्विक उथल-पुथल से बचाने का सबसे मजबूत रास्ता होगी।

> माना जा रहा है कि सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौता' भारत पर रक्षा दबाव बढ़ाएगा। इसके तहत किसी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस गठजोड़ में सुरक्षा सहयोग के बढ़ते आयाम भारत के लिए एक नई भू-राजनीतिक चुनौती उत्पन्न करते हैं, जिससे भविष्य की सुरक्षा स्थितियों में कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में देश के सामने सतर्कता के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने की चुनौती निर्मित हुई है। साथ ही अब आर्थिक और सैन्य-परमाणु शक्ति- दोनों मोर्चों पर समान रूप से और मजबूत होना जरूरी है। तेज विकास और आर्थिक मजबूती से ही सशक्त सैन्य-परमाणु शक्ति बनने की राह प्रशस्त होती है।

सुरक्षा, मजबूती और विकास की नई परीक्षा

हाल ही में 14 अगस्त को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि पर भारत को 'रेड लाइन' और जंग की धमकी दी है। ऐसी धमकियां देना पाकिस्तान के नेताओं के जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। पाकिस्तान में यह भी माना जा रहा है कि गत 7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौता' भारत पर रक्षा दबाव बढ़ाएगा। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस गठजोड़ में सुरक्षा सहयोग के बढ़ते आयाम भारत के लिए एक नई भू-राजनीतिक चुनौती उत्पन्न करते हैं, जिससे भविष्य की सुरक्षा स्थितियों में कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं।

ऐसे में सरकार के साथ पूरे देश के सामने सतर्कता के साथ एकजुट होकर आगे बढ़ने की चुनौती निर्मित हुई है। साथ ही अब आर्थिक और सैन्य-परमाणु शक्ति- दोनों मोर्चों पर समान रूप से और मजबूत होना जरूरी है। तेज विकास और आर्थिक मजबूती से ही सशक्त सैन्य-परमाणु शक्ति बनने की राह प्रशस्त होती है और ऐसी मजबूती युद्ध के खतरे को भी कम करती है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत आर्थिक विकास के साथ-साथ सैन्य व परमाणु हथियार मोर्चे पर भी लगातार आगे बढ़ रहा है। यदि हम भारत के विकास परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बीच भी भारत की विकास दर 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक विश्वास बढ़ रहा है, विदेशी निवेश में वृद्धि हो रही है, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 692 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है, भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बढ़ रहे हैं और भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दूसरी ओर, सैन्य और परमाणु शक्ति की राह पर भी भारत लगातार आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हथियारों पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (सीपरी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपने परमाणु निवारक तंत्र को लगातार आधुनिक बना रहा है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक भारत के पास परमाणु वॉरहेड्स की संख्या लगभग 190 तक पहुंच गई है। भारत की नीति में अब यह बदलाव भी देखा जा रहा है कि वह शांतिकाल में भी अपने कुछ परमाणु वॉरहेड्स को डिलीवरी सिस्टम (जैसे कैनिस्टराइज्ड मिसाइलें और परमाणु पनडुब्बियां) के साथ उपयोग के लिए तैयार रखने की दिशा में बढ़ा है। मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र में 'डिटरेंस गश्त' करने जैसे कदमों से संकेत मिलता है कि भारत अपनी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर रहा है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती को देखते हुए भारत की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बदलाव है। निश्चित रूप से एक ऐसे समय में जब भारत की सीमाएं बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर अधिक संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, वरन उन्नत तकनीक और परमाणु सामर्थ्य से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की और अधिक आवश्यकता है। भारत के पड़ोस में पाकिस्तान द्वारा चीन-निर्मित आधुनिक हथियारों और तकनीक की मदद से छद्म युद्ध व घुसपैठ को प्रश्रय दिया

जाता रहा है। चीन की ओर से भी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) एवं विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास चुनौतियां पैदा की जा रही हैं। तवांग के उत्तर- पूर्व और असफी-ला दर्रे के निकट स्थित तक्सिंग क्षेत्र में चीनी फ़ौजों (पीलए) की घुसपैठ की खबरें भी सामने आती रहती हैं। ऐसी किसी भी घुसपैठ को भारतीय सुरक्षा बल और सेना नाकाम करती रहती है। भारत, चीन के हर विस्तारवादी कदम का लगातार कड़ा और बहुआयामी जवाब दे रहा है। अतीत में भी जब भारत ने आतंकी ठिकानों के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई की है, तब चीन और उसके सहयोगी देशों का रणनीतिक तालमेल देखने को मिला है। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से अपनी मिसाइल क्षमता और पारंपरिक हथियारों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत किसी भी परमाणु खतरे या दोतरफा सामरिक चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। देश की रक्षा नीति स्पष्ट है कि भारत 'पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं' (नो फर्स्ट यूज) करेगा, लेकिन यदि शत्रु ने दुस्साहस किया, तो उसका करारा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। निःसंदेह, बीते वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा अपनाई गई आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत देश को आर्थिक और सामरिक आधारों पर मजबूती मिली है। भारत ने आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की कठोर नीति अपनाई है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय सेना ने आधुनिक और स्वदेशी हथियारों के बल पर दुश्मन को कड़ा सबक सिखाया। आज भारत रक्षा क्षेत्र में एआई, ड्रोन तकनीक और आधुनिक निगरानी प्रणालियों का प्रभावी इस्तेमाल कर रहा है।

इन उपलब्धियों के बावजूद, इस समय भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि प्रतिस्पर्धी पड़ोसियों से टकराव की आशंका बनी रह सकती है। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ-साथ अपनी अर्थव्यवस्था को युद्ध स्थितियों के लिए तैयार रखने, मजबूत सैन्य शक्ति बनने व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में उभरने के लिए और अधिक रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना अनिवार्य है। 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का जो लक्ष्य रखा गया है, उस राह पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए देश का तेज आर्थिक विकास अनिवार्य है। आगामी वर्षों में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 'जेन-जी' की ऊर्जा को आर्थिक विकास से जोड़ना होगा। साथ ही, अर्थव्यवस्था को रक्षा क्षेत्र में पूर्णतः 'आत्मनिर्भर' बनाना होगा, जिसका उद्देश्य विदेशी निर्भरता को समाप्त करना, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और रक्षा निर्यात को बढ़ाना है। हमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोड़कर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ना होगा। आज के समय में युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप्स, मिसाइलों, स्वार्म ड्रोन, हाइपरसोनिक हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर स्पेस में लड़े जाते हैं। उम्मीद करें कि सरकार कूटनीतिक रूप से सऊदी अरब और खाड़ी देशों के साथ अपने संबंध और मजबूत करेगी, ताकि मक्का समझौते की आड़ में पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध कोई षड्यंत्र करने की अनुमति प्राप्त न हो सके। देश के वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के सभी लोग एकजुटता, परिश्रम व समर्पण से देश को आर्थिक शक्ति के साथ-साथ उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित मजबूत सैन्य शक्ति बनाने के इस अभियान में अपना हरसंभव योगदान देंगे।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

बदइंतजामी
मनोज कुमार अग्रवाल

आस्था का मोल जान देकर चुकाते श्रद्धालु!

देश भर के धार्मिक तीर्थ स्थलों, मंदिरों पर बदइंतजामी चरम पर है कमोबेश सभी जगह एक सी हालत है। कुप्रबन्ध का फायदा उठा कर व्यवस्था में लगे सेवादार सुविधा शुल्क लेकर अपनी जेब भरते हैं और चोर रास्ते से लाइन तोड़ कर दर्शन कराते हैं, जबकि आम श्रद्धालु घंटों भूख प्यास सहकर भी लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल, इस सब बदइंतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। श्रावण मास का तीसरा सोमवार 17 अगस्त श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। यह हादसे पहली बार नहीं हैं, हिन्दू धर्म स्थलों पर कुप्रबन्ध, रखरखाव में गड़बड़ी, संकीर्ण गलियारे और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद, असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व-त्योहार, दर्शन, स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं। बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई। अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुए दर्दनाक हादसेने ने पूरे देश को झकझोर दिया। मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा। जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए। छह लोगों की मौत हो गई थी। आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।

इसी तरह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने, करेंट उतरने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान जा चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है। अनेक धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शेड, मंडप और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इन हादसों की निष्पक्ष जांच कराएं और इन तमाम हादसों के पीछे के तमाम कारणों का विश्लेषण कर जिम्मेदार दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मार्गदर्शन करती है अंतःकरण की आवाज

हमारे अंतःकरण की आवाज हमारी मुख्य मार्गदर्शक होती है। यही हमें सही और गलत में अंतर का आभास कराती है। मनोविज्ञान के अनुसार, जब किसी मनुष्य का कोई कार्य, विचार और अभिव्यक्ति नैतिक मूल्यों के विपरीत परिणाम देती है तो अंतर्मन की आवाज उस व्यक्ति में ग्लानि और पश्चाताप की भावना को जन्म देती है, लेकिन जब हमारे कार्य नैतिक मूल्यों के

संकलित
दर्शन

अनुरूप परिणाम देते हैं तो इससे मन भीतर से प्रसन्न होता है। आज के इस कोलाहल भरे समय में हम प्रायः अपने अंतःकरण की आवाज को सुन नहीं पाते या उसे सुनकर उस पर अपेक्षित मनन नहीं करते। यही कारण है कि हम अपने जीवन में भटकाव महसूस करते हैं। महात्मा गांधी तो अंतःकरण की आवाज को ही सर्वोच्च मानते थे। उनके कई निर्णयों का आधार ही अंतःकरण की आवाज थी। इसी कारण गांधीजी सत्य के साथ खड़े रहे। इसीलिए उनके द्वारा किए गए अधिकांश प्रयोग सफल रहे। जीवन में सदैव संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने का सरल सा तरीका यही है कि हम अपने अंतःकरण की आवाज सुनें, क्योंकि हमारे अंदर से आने वाली आवाज प्रत्येक परिस्थिति में सही होती है। हम जब कभी भी कुछ गलती या बुरा आचरण कर रहे होते हैं, तब हम अपनी भूल को जानते हैं। हमें कुछ अटपटा सा लगता है। भीतर से आवाज आती है कि यह कार्य उचित नहीं है। यही हमारे अंतःकरण की आवाज होती है। यही आवाज हमें कुछ गलत करने से रोकती है। जब हम अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करते हैं तो अंतरात्मा से हमारा संपर्क कमजोर हो जाता है।

शिवजी ने तोड़ा था अर्जुन का घमंड

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन

संकलित
प्रेरणा

ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी का एक शिवलिंग पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

सटाका

आज की पाती

संसदीय गतिरोध : लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। संसद केवल कानून बनाने की संस्था नहीं है, बल्कि वह देश की जनता की आकांक्षाओं, समस्याओं और प्रश्नों को राष्ट्रीय विमर्श का मंच प्रदान करती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजती है कि वे देश के सामने उपस्थित समस्याओं पर चर्चा करें, सरकार से प्रश्न पूछें, नीतियों की समीक्षा करें और आवश्यक कानूनों के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। ऐसे में जब संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे, नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के कारण बाधित होती है, तब उसका नुकसान किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रहता। इसका सीधा असर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर पड़ता है। हंगामे के कारण मानसून सत्र ने इस चिंता को गहरा कर दिया है। - कुलदीप भारद्वाज, बहादुरगढ़

ट्रेंड

क्रूरता की तारीफ

मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं कि दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। संसद से आधा किलोमीटर दूर, शांतिपूर्ण छात्रों पर पेलेट गन से गोलियां चलाई गईं, कीलों से जड़ी लाठियों का इस्तेमाल किया। क्या हमें इस क्रूरता की तारीफ करनी चाहिए?
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

आतंकवाद पर प्रहार

आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश बिल्कुल साफ है, सुरक्षा से कोई समझौता नहीं, बल्कि आतंकवाद पर सीधा प्रहार। एक ही दिन में 14 राज्यों में 200 से ज्यादा आतंकवादी गुर्गों की गिरफ्तारी देश की सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता, क्षमता और बेहतर तालमेल का सबूत है।
- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

सोची-समझी साजिश

हेमंत सोरेन ने कैबिनेट में जान-बूझकर छात्रों को धोखा देने की सोची-समझी साजिश के तहत परीक्षाएं रद्द करने का फैसला किया है। अब, गलत तरीके से चुने गए छात्र कोर्ट जाएंगे। नतीजन कोर्ट परीक्षाएं रद्द करने के फैसले पर रोक लगा सकता है।
- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

बेहतरीन अहसास

किसी भी एक्टर की यही चाहत होती है कि वह दर्शकों से जुड़ पाए ताकि वे किरदार के सफर के हर पल को महसूस कर सकें.. जो कहा गया और उससे भी जरूरी, जो अनकहा रह गया है, यह सबसे बेहतरीन अहसास है !
- कृति सेनन, फिल्म अभिनेत्री

करंट अफेयर

उत्तर टेक्सास में भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मना

उत्तर टेक्सास में भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, देशभक्ति से ओत-प्रोत संगीत और लेजर शो के साथ मनाया। इस अवसर पर फ्रिस्को में भारत के महावाणिज्यदूत डी. सी. मंजूनाथ भी शामिल हुए। यह कार्यक्रम शनिवार को फ्रिस्को स्थित कोमेरिका सेंटर में आयोजित 49वें वार्षिक आनंद बाजार के साथ हुआ। आनंद बाजार, इंडिया एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ टेक्सास द्वारा आयोजित एक प्रमुख सांस्कृतिक और खान-पान उत्सव है। ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, महावाणिज्यदूत ने सभा को संबोधित किया और भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में भारतीय प्रवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। मंजूनाथ इससे पहले ह्यूस्टन स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास में स्वतंत्रता दिवस समारोह का नेतृत्व कर चुके हैं। उत्तर टेक्सास में आयोजित इस समारोह में फ्रिस्को के मेयर मार्क हिल, नगर परिषद के सदस्य, स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि, पूर्व सैनिक तथा क्षेत्र के विभिन्न भारतीय-अमेरिकी संगठनों के नेता शामिल हुए।

ऑफ बीट

मसूड़ों के नीचे खिसकना आम चिंताओं में से एक

मसूड़ों की बीमारी - जिसे पीरियोडोंटाइटिस के रूप में भी जाना जाता है - एक गंभीर स्थिति है। ब्रश करते समय खून बहना, दांतों का हिलना, लगातार बदबूदार सांस आना या दांतों का हिलना जैसे लक्षणों की हमेशा जांच की जानी चाहिए। हालांकि, मसूड़ों के नीचे की ओर जाने के अन्य कारण भी हो सकते हैं। शायद चौंकाने वाली बात यह है कि मसूड़ों के नीचे खिसकने का सबसे बड़ा कारण वास्तव में जरूरत से ज्यादा ब्रश करना है। बहुत ज्यादा बल का उपयोग करना या गलत उपकरणों से ब्रश करना (जैसे कि कठोर ब्रिसल वाला ब्रश) धीरे-धीरे मसूड़ों के ऊतकों को खराब कर सकता है। इलेक्ट्रिक दंतब्रश दबाव को कम करके मदद कर सकते हैं, खासकर नए मॉडल जो बहुत जोर से ब्रश करने पर रोशनी करते हैं। लेकिन वास्तव में बहुत से लोग इस बात पर ज्यादा ध्यान देते हैं कि वे कितनी देर तक ब्रश करते हैं, न कि कैसे ब्रश करते हैं। यहां तक कि दंत साफ करने वाले इन ब्रश के साथ जोड़े जाने वाले स्मार्ट ऐप भी आमतौर पर प्रत्येक क्षेत्र में ब्रश करने के समय को उजागर करते हैं, न कि लगाए गए दबाव को। इसीलिए ब्रश करने की सही तकनीक सिखाना बहुत जरूरी है।

खबर संक्षेप

पूर्व एमएलसी पाठक समेत 10 को उम्रकैद

औरैया। जिले के सबसे चर्चित और सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड मामले में बुधवार को एमपी-

एमएलए कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने सपा के पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक, उनके भाई व पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष पाठक, भाई रामू पाठक समेत 10 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इन पर दोष पाया गया।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्ररूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं रोहन खान सुपुत्र सुमुत्री/पत्नी नौशाद खान गाँव/शहर पत्थलगांव (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम रोहन खान (पुराना नाम) से बदल कर... रेहान खान (नया नाम) रख लिया है।

रोहन खान हस्ताक्षर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामदुलारी देवी पत्नी स्व०रामेश्वर दास अग्रवाल व अन्य निवासी शिवनंदनपुर विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम गंगापुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 168/6, 167/21, 171/35 रकबा 0.006, 0.004, 0.004 हे० भूमि को अनावेदक मनोज कुमार भारती आ०एम०के० भारती निवासी दरीर्पारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन राशि रुपए 5,00,000/- में विक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.09.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 11/08/2026 भो मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब

नीट सिस्टम सुधारने को क्या किया, 3 हफ्ते में दें हलफनामा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से नीट परीक्षा में सुधार को लेकर उठाए गए कदमों

की जानकारी मांगी है। कोर्ट ने खास तौर पर पूछा है कि राधाकृष्णन समिति और नंदन नीलेकणि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए अब तक क्या किया गया है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ सुनवाई कर रही थी।

पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से नया हलफनामा दाखिल करने को कहा है। हलफनामा 3 सप्ताह के भीतर दाखिल करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्थाई व्यवस्था करने को कहा

कोर्ट ने कहा कि नीट परीक्षा में सुधारों को केवल कागजों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें स्थायी व्यवस्था का हिस्सा बनाने की जरूरत है। पीठ ने राधाकृष्णन समिति की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि समिति ने सही तौर पर इसे एक व्यवस्था से जुड़ी समस्या माना है और इसे स्थायी रूप से लागू करना अहम हिस्सा है।कोर्ट ने यह भी कहा कि कागज पर प्रक्रिया अच्छी दिखाई देती है, लेकिन एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक स्थिति पूरी तरह बदल सकती है। मेहता ने नीट प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर छात्रों तक पहुंचने तक अपनाई जाने वाली सुरक्षा व्यवस्था के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा के लिए मौजूद व्यवस्था बहुत मजबूत है और उसमें सेंध लगाना मुश्किल है।

सरकार की ओर से बताया गया

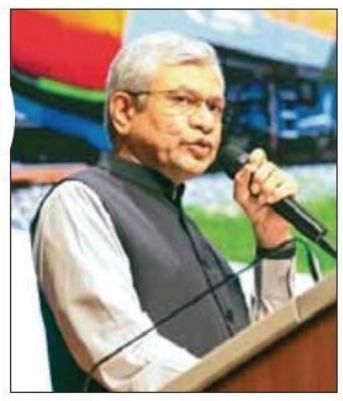

- कई मॉडरेटरों से प्रश्नों का बैंक तैयार कराया जाता है।
- मॉडरेटरों को यह जानकारी नहीं होती कि इनमें से कौन से प्रश्न अंतिम प्रश्नपत्र में शामिल होंगे।
- नीट प्रश्नपत्र ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस लगा होता है।
- वाहनों की छोटी से छोटी गतिविधि भी दर्ज की जाती है।
- प्रश्नपत्र की छपाई से लेकर छात्रों तक पहुंचने तक कई स्तरों पर सुरक्षा उपाय अपनाए जाते हैं।

परीक्षा प्रक्रिया में सुधार

- डेटा सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करना
- एनटीए की संरचना और काम करने के तरीके में सुधार
- अब सुप्रीम कोर्ट यह जानना चाहता है कि समिति की सिफारिशों को लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बेहतर कनेक्टिविटी के लिए लिया निर्णय

13,000 करोड़ रुपए से किया जाएगा रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम पहल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए 13,000 करोड़ से अधिक की नई मंजूरियां दी हैं।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि यह निवेश देश के महत्वपूर्ण हिस्सों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और आर्थिक विकास को गति देगा।

इन सभी रेल और सड़क परियोजनाओं को मिलाकर कुल निवेश 13,041 करोड़ से अधिक है। इस बड़े पैमाने पर किया गया निवेश न केवल देश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर ढंग से जोड़ेगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा। यह कदम 'गति शक्ति' जैसे राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टर प्लान के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

इसे गतिशक्ति के अनुरूप बताया

प्रमुख रेल परियोजनाएं

- सरकार ने देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया है। विभिन्न रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और चौगुनीकरण से माल ढुलाई और यात्री ट्रेनों की गति में तेजी आएगी
- खड़गपुर - भद्रक (रणिताल) चौथी लाइनः यह परियोजना 3,352 करोड़ की लागत से पूरी की जाएगी।
- भद्रक - हरिदासपुर चौथी लाइनः इस लाइन के विस्तार पर 1,583 करोड़ खर्च होंगे।
- गुम्मडिपूंडी - गुडूर तीसरी और चौथी लाइनः दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना पर 2,229 करोड़ का निवेश किया जाएगा।

ये भी

- *कटक - पारादीप तीसरी और चौथी लाइनः यह महत्वपूर्ण परियोजना 2,286 करोड़ की लागत से पूरी होगी, जो ओडिशा के औद्योगिक और बंदरगाह क्षेत्रों के लिए अहम है।*

सड़क मार्ग पर भी बड़ा निवेश

रेलवे के साथ सरकार ने सड़क अवसंरचना को भी प्राथमिकता दी है। बिहार में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक चार-लेन राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर 3,591 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे इस क्षेत्र में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा और व्यापार व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

बिहार को मिला सबसे बड़ा तोहफा

रेल मंत्रालय की लगभग 9,450 करोड़ की कुल लागत वाली चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसके अलावा कैबिनेट में बिहार को भी बड़ा तोहफा दिया है।केंद्रीय कैबिनेट ने बिहार में एनएच -22 के मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड को चार लेन में बदलने को मंजूरी दी है। इस पर 3591 करोड़ खर्च किए जाएंगे, जो बाकी चार रेल परियोजनाओं की लागत से ज्यादा है। बिहार की इस सड़क परियोजना को सबसे ज्यादा पैसे आवंटित किए गए हैं। सभी पांचों परियोजनाओं पर कुल 13,041 करोड़ रखर्च किए जाएंगे।

सांस्कृतिक और धार्मिक जगहों तक पहुंच आसान

यह प्रोजेक्ट औद्योगिक क्षेत्रों और प्रमुख रेलवे स्टेशनों सहित मुख्य आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों तक कनेक्टिविटी में सुधार करके मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन को बढ़ावा देगा। बेहतर कनेक्टिविटी से सामान और खेती से जुड़े सामान की सप्लाई चेन को आसानी से लाने-ले जाने में मदद मिलेगी, इलाके की आर्थिक तरक्की को बढ़ावा मिलेगा, और बौद्ध सर्किट और सीतामढ़ी में ऐतिहासिक जानकी पुनौरा धाम मंदिर जैसी अहम सांस्कृतिक और धार्मिक जगहों तक पहुंच आसान होगी।

3590.73 करोड़ की लागत

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह प्रोजेक्ट हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर कुल 3590.73 करोड़ की लागत से विकसित किया जाएगा और इसकी कुल लंबाई 82.578 किलोमीटर होगी। यह प्रस्तावित प्रोजेक्ट रणनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बिहार के बढ़ते नेशनल हाईवे नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

कहां-कहां से गुजरेगी सड़क

बयान के अनुसार, इस प्रोजेक्ट से मुजफ्फरपुर, मकसूदपुर, रुन्नी सैदपुर, थुम्मा, डुमरा, भुताही और सोनबरसा जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में भीड़-भाड़ काफी कम हो जाएगी। उम्मीद है कि इस प्रोजेक्ट से यात्रियों और माल की आवाजाही तेज और सुरक्षित होगी, यात्रा की क्षमता बेहतर होगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इसे 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार और 80 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें कोई 'एट-ग्रेड मीडियन ओपनिंग' (सड़क के बीच में कट) नहीं होगी, जिससे तेज और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी।

आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार बनेगा

यह निर्णय देश के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इन परियोजनाओं के समय पर पूरा होने से माल और यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी, जिससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक आज

शाह करेंगे इसकी अध्यक्षता, राज्यों के प्रस्तावित मुद्दों पर करेंगे 'चर्चा'

अब तक 69 बैठकें हो चुकीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 20 अगस्त को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की

31वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरलम, तमिलनाडु, तेलंगाना राज्य और पुडुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह एवं लक्षद्वीप संघ राज्यक्षेत्र शामिल हैं। क्षेत्रीय परिषदें मजबूत राज्य ही मजबूत राष्ट्र बनाते हैं की भावना से काम करती हैं। सभी राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से पिछले लगभग बारह वर्षों में (जून 2014 से अब तक) विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों और इनकी स्थायी समितियों की कुल 69 बैठकें आयोजित हुई है।

देश के सामने 'टीम भारत' की कल्पना

क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें विचार होने के बाद शेष बचे मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है। प्रधानमंत्री ने सहकारी संघवाद के आधार पर देश के सामने 'टीम भारत' की कल्पना रखी है और क्षेत्रीय परिषदें इस दिशा में अहम योगदान दे रही हैं। परिषदें दो या अधिक राज्यों अथवा केंद्र और राज्यों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर, संवाद और चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र, तथा इसके जरिये आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए मंच प्रदान करती हैं।

सस्ती दवा, महंगा ब्रांड, करोड़ों का खेल

'एफडीए' ने कर्नाटक में 4.91 करोड़ की नकली दवाएं जब्त की

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के ड्रग

एनफोर्समेंट विंग ने जांच अभियान के दौरान 4.91 करोड़ से अधिक कीमत की नकली दवाएं जब्त की हैं। बेंगलुरु दक्षिण जिले के बिदादी स्थित कुरुबाराकेरेनाहल्ली के एक फार्महाउस में बिना लाइसेंस दवाओं की रीपैकेजिंग और रीलेबलिंग का काम चल रहा था।

सस्ती दवाओं को महंगे ...ब्रांड की शक्ल दी

जांच में सामने आया कि फार्महाउस में दूसरे राज्यों से सस्ती दवाएं मंगाई जाती थीं। इसके बाद उन्हें नई शीशियों में भरकर ऐसे लेबल लगाए जाते थे, जिससे वे महंगी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ब्रांड और आयातित दवाओं जैसी नजर आएं। विभाग के कमिश्नर श्रीनिवास के. ने कहा कि नकली दवाओं में प्रभावी औषधीय सामग्री नहीं होती या उनमें गलत अथवा हानिकारक पदार्थ हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस काम में इस्तेमाल किए जा रहे लेबल पर दिए गए स्कैनिंग कोड भी काम नहीं कर रहे थे।

बैकुंठी धाम श्रीरामजानकी मंदिर में भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन

संवाददाता

घुघली/महराजगंज। नगर क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बैकुंठी धाम शिव मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति के बीच भव्य रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। रुद्राभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, घी, चंदन एवं अन्य पूजन सामग्री से अभिषेक कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि, शांति और परिवार की मंगलकामना की गई।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)
व्यक्तिगत सूचना
रा०प्र०क-202607100700096/31-06/वर्ष 2025-26 ग्राम-कसारीडीह, प.ह.नं. 40. तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)
प्रति.

1. राजेश मैक्लीन पिता मैक्लीन बेंजामिन, निवासी शान्ति नगर अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.), पिन नं. 497001

विषय-

न्यायालय तहसीलदार में मामला क्रमांक / 202607100700096/अ-06/वर्ष 2025-2026 में उपस्थित होने बाबत।

एतद् द्वारा इस नोटिस के उपरिये आपको सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में आवेदक जीनत शफीक खान पति मो. शफीक खान, जाति-मुस्लिम निवासी म.नं. 257, सड़क नं. 04. कसारीडीह दुर्ग, तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम कसारीडीह, प. ह.नं. 40, रा.नि.मं. कसारीडीह, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 715/38, रकबा 0.011 हे. 1200 वर्गफीट को विक्रेता भारतीय स्टेट बैंक शाखा SBI SARB पचपेढी नाका रायपुर के तरफ से अधिकृत अधिकारी साजन जोसेफ मथ्यू आ. स्व. जोसेफ जॉर्ज, दुलीप 295, ए-ब्लाक इंटरनेशनल कॉलोनी तालपुरी मिलाई, मूल भूमि स्वामी राजेश मैक्लीन बेंजामिन के नाम पर दर्ज है। पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 09/07/2026 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त प्रकरण में आप सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए हैं। अतएव इस सूचना के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि उक्त प्रकरण में आप सुनवाई दिनांक 25/08/2026 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष समर्थन कर सकते हैं। नियत तिथि में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा। जिसके लिये आप स्वतः जवाबदार होंगे। आज दिनांक 13/08/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह सूचना जारी किया गया।

तहसीलदार
दुर्ग, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

डी-मार्ट चौराहे से रेलवे स्टेशन तक जाम; कर्मचारी आखिर हैं कहाँ नागरिकों में असंतोष

संवाददाता

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय में बदलाव के बाद, योगेश शिंदे ने कोपरखैराने यातायात विभाग की जिम्मेदारी संभाली है। हालांकि, नए प्रभारी के कार्यभार संभालने के कुछ ही दिनों बाद भी, कोपरखैराने क्षेत्र में यातायात जाम की समस्या नागरिकों के बीच असंतोष का कारण बनी हुई है। यातायात को सुचारू बनाने के लिए प्रभावी योजना और सड़कों पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी आवश्यक है, लेकिन कुछ स्थानों पर यातायात पुलिस की अनुपस्थिति और दूसरी ओर ई-चालान के माध्यम से त्वरित कार्रवाई ने एक सवाल खड़ा कर दिया हैः 'यातायात नियंत्रण या जुमार्ना वसूली' यह सवाल वाहन चालकों द्वारा गुस्से में उठाया जा रहा है। कोपरखैराने के डी-मार्ट सर्कल, कोपरखैरान रेलवे स्टेशन क्षेत्र और घनसोली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सुबह और शाम के व्यस्त समय के दौरान वाहनों की लंबी कतारें अक्सर देखी जाती हैं।

-:: शपथ पत्र ::-

मैं महेश कुमार कुशवाहा आ० बसंत लाल उम्र लग0-46 वर्ष, जातिझकोइरी

निवासी-करौंदामुड़ा तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :-

1-मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ, तथा मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड क्रमांक 2615-7212-3695 बना है, जिसमें मेरी पुत्री का नाम काव्या कुशवाहा (KAVYA KUSHWAHA) है। जो त्रुटिपूर्ण है।

2-मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी पुत्री के नाम से जारी आनलाईन जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम धात्री कुशवाहा (DHATRI KUSHWAHA) अंकित है, जो सत्य व सही है।

3-मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ, कि मेरी पुत्री के अधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम को विलोपित कराकर, उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित वास्तविक नाम के आधार पर अपनी पुत्री के आधार कार्ड में नाम सुधार कराना चाहता हूँ, जिसके संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथपत्र (नाम सुधार हेतु)

मैं ताजुद्दीन अंसारी आ० याकुब अंसारी आयु लगभग 37 वर्ष जाति जुलाहा निवासी ग्राम गोविन्दपुर कुम्दा कॉलोनी थाना विश्रामपुर तह० लटोरी जिला सूरजपुर (छ०म०) का निम्नांकित कथन शपथपूर्वक करता हूँ मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करता हूँ, सकील अंसारी मेरा पुत्र है जो कार्मेल कोन्वेन्ट इंग्लिश मिडियम स्कूल बिश्रामपुर में कक्षा ग्यारहवी का छात्र है. जिसका एडमिशन नम्बर 11210 है। मैं शपथपूर्वक कंथन करता हूँ कि शाला अभिलेखों में मेरी पत्नि का नाम नूरजहाँ खातुन (Noorjaha Khatun) लिखा गया है, जो त्रुटिपूर्ण हो गया है। मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी पत्ति का आधार कार्ड क्रमांक 759527010682 है, जिसमें उसका नाम नूरजहाँ खातुन्त (Nurjahan Khatun) लिखा है व पूर्ण सत्य व सही है।

मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि दाखिला फास भने के समय त्रुटिवश हमसे नाम लिखने में गलती हो गई थी जिससे नामों में भिन्नता हो गई है. उपरोक्त दोनो एक ही व्यक्ति के नाम है, अलग अलग व्यक्तियों के नाम नहीं है। मैं शपथपूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के शाला अभिलेखों में मेरी पत्नि का नाम सुधार कर नूरजहाँ खातून (Nurjahan Khatun) किया जावे, जिसके संबंध में मेरा स्वयं का शपथपत्र प्रस्तुत है

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
रा०प्र०क०/ब-121/2025-26
ग्राम - कोदौरा
तहसील राजपुर
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण आम जनता कोदौरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सहजू केराम आ० स्व.झरी जाति गोड़ निवास ग्राम कोदोराला राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) द्वारा अपने मातावा मनियारो पति स्व. झरी का मृत्यु दिनोंक 16.10.2022 को मृत्यु हुआ है। किन्तु मध्य पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिम के माध्यम से पेशी तिथि 28/08/2026 के पूर्व इस न्यायालय जाति कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर काह विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
राजपुर, जिला-बलरामपुर

राजस्व मामले में नोटिस
समक्ष न्यायालय तहसीलदार
स्थान पत्थलगांव
मामले का विषय
त्रुटि सुधार
मामला क्रमांक
202607030900002/अ-6(अ)/2025-26

उर्वशी देवी बेहरा एवं अन्य-01

विरूध

रघुराम

1/ रघुराम पिता मनमोहन,

जाति-नामालुम, पेशा-नामालुम

दावा

निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (७०ग०)

आपको सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त मामले की सुनवाई तारीख 24.08.2026 को दिन के 11.00 बजे स्थान पत्थलगांव पर होगी।

अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप या मान्य प्रतिनिधि अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उक्त तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होवे। नियत तिथि पर उपस्थित नहीं होने पर आपके विरूध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुये। प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला जशपुर छ०ग०

शपथ पत्र

मैं धनेश्वर प्रसाद गुप्ता आ० गोवर्धन उम्र लग0-51 वर्ष, जाति-तेली निवासी-दरीर्पारा तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि :- मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ तथा मेरे पुत्र के नाम से आधार कार्ड क्रमांक 6793-2019-9812 बना है, जिसमें मेरे पुत्र का नाम हर्षित कुमार गुप्ता (HARSHITH KUMAR GUPTA) है। जो त्रुटिपूर्ण है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे पुत्र के नाम से जारी आनलाईन जन्म प्रमाण पत्र में मेरे पुत्र का नाम हर्षित गुप्ता (HARSHIT GUPTA) अंकित है, जो सत्य व सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ, कि मेरे पुत्र के अधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम को विलोपित कराकर, उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित वास्तविक नाम के आधार पर अपने पुत्र के आधार कार्ड में नाम सुधार कराना चाहता हूँ, जिसके संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा छ0ग0
रा०प्र०क०/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम चलगली को सुचित किया जाता है कि आवेदक बागर साय आ० स्व० बन्धू, जाति कोरवा, निवासी ग्राम चलगली, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा, (छ०ग०) द्वारा अपने अपने पिता बन्धू एवं चाचा बुलू के संयुक्त खाते की भूमि ख0नं0 14, 47, 125, 130/262, 131, 138/1, 138/2, 179, 180, 181 कुल ख0नं0 10 कुल रकबा 2.585 हे० भूमि ग्राम चलगली में स्थित है। आवेदक के चाचा बुलू द्वारा वादभूमि में से अपने हक व हिस्सा की भूमि को सेवा भाव से खुश होकर पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 02/05/2024 को निष्पादित किया है। आवेदक के चाचा बुलू की मृत्यु दिनांक 23/12/2024 को हो चुकी है। आवेदक द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 25/08/2026 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 11/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
लुण्ड्रा (धौरपुर) जिला सरगुजा

ईस्तहार
सार्वजनिक सूचना
मैं गुणीता साहू पति का नाम स्व. श्री रामकुमार साहू

निवासीः सरपंच पारा, वार्ड क्रमांक 5, ग्राम सलका, तहसील-जिला सूरजपुर, छत्तीसगढ़ एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित करती हूं कि मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम गुणीता साहू दर्ज है।

किन्तु मेरे आधार कार्ड क्रमांक 736758405051 में तकनीकी त्रुटि के कारण मेरा नाम पार्वती साहू दर्ज हो गया है। अतः मैं घोषणा करती हूं कि गुणीता साहू और पार्वती साहू दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही है।

भविष्य में मेरे समस्त कार्यों एवं दस्तावेजों में मेरा सही नाम गुणीता साहू ही माना जाए। यदि किसी व्यक्ति को इस नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय में कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर यह माना जाएगा कि किसी को कोई आपत्ति नहीं है।

नामः गुणीता साहू
पति का नामः स्व. श्री रामकुमार साहू
पताः सरपंच पारा, वार्ड 5, ग्राम सलका, जिला सूरजपुर (छ.ग.)

शिशु संरक्षण माह: स्वस्थ बचपन और सुरक्षित भविष्य का आधार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शिशु जीवन का वह नाज़ुक चरण है, जहाँ सही पोषण और स्वास्थ्य देखभाल उनके भविष्य की दिशा तय करती है। भारत जैसे विकासशील देश में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण, एनीमिया और विभिन्न संक्रामक बीमारियों की दर को कम करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग द्वारा 'शिशु संरक्षण माह' का आयोजन किया जाता है। यह एक विशेष स्वास्थ्य अभियान है, जो नवजात और छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक मजबूत कवच का कार्य करता है। बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण स्तर को सुधारने के लिए चलाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण अभियान है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस अभियान का नया चरण 18 अगस्त 2026 से शुरू हो गया है, जिसके तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों की विशेष देखभाल की जा रही है।

अभियान का मुख्य उद्देश्य

इस विशेष माह को मनाने का प्राथमिक लक्ष्य बाल मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाना है। इसके साथ ही, बच्चों में समय पर बीमारियों की पहचान करना, उन्हें आवश्यक विटामिन और खनिज प्रदान करना, तथा माताओं को सही पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना इस अभियान के प्रमुख उद्देश्य हैं।

प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं और गतिविधियाँ

शिशु संरक्षण माह के दौरान गांव-गांव और शहरों में स्वास्थ्य केंद्रों व आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

विटामिन 'ए' का अनुपूरण: 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को रतौंधी जैसी आंखों की बीमारियों से बचाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन 'ए' की खुराक दी जाती है। एनीमिया से बचाव 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को खून की कमी (एनीमिया) से सुरक्षित रखने हेतु आयरन एवं फॉलिक एसिड सिरप का वितरण किया जाता है। पूर्ण टीकाकरण: जिन बच्चों के नियमित टीके छूट गए हैं, उन्हें खसरा, रुबेला, पोलिया, काली खांसी और टिटनेस जैसी घातक बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकृत किया जाता है। कुपोषण की पहचान व उपचार: आंगनवाड़ी स्तर पर सभी बच्चों का वजन और लंबाई नापकर गंभीर रूप से कुपोषित और मध्यम कुपोषित बच्चों को चिह्नित किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा जाता है। दस्त नियंत्रण और ओआरएस वितरण: बच्चों में डिहाइड्रेशन रोकने के लिए माताओं को ओआरएस पैकेट और जिंक की गोलियां दी जाती हैं।

जागरूकता एवं परामर्श सत्र

केवल दवाएं देना ही इस अभियान का हिस्सा नहीं है, बल्कि माताओं और परिवारों का व्यवहार परिवर्तन भी इसका महत्वपूर्ण अंग है:

स्तनपान का महत्व: जन्म के तुरंत बाद (1 घंटे के अंदर) मां का पहला गाढ़ा पीला दूध (कोलस्ट्रम) और शुरूआती 6 माह तक केवल स्तनपान कराने के लिए माताओं को प्रेरित किया जाता है। ऊपरी आहार की शुरूआत: 6 माह की आयु पूरी होने के बाद बच्चे को स्तनपान के साथ-साथ सही मात्रा और गुणवत्ता वाला पूरक आहार (ऊपरी आहार) देने की सलाह दी जाती है।6 से 12 महीने की उम्र के बीच, आपका शिशु पौष्टिक ठोस आहार खाना शुरू कर देगा, लेकिन माँ का दूध फिर भी पोषण का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत बना रहेगा। जब आपका शिशु माँ का दूध या फामूर्ला दूध पीना छोड़ दे, तो उसे धीरे-धीरे और धैर्य से खिलाएँ। उसे नए स्वाद चखने दें, लेकिन जबरदस्ती न करें। जब आपका बच्चा ठोस आहार खाना शुरू करे, तो उसे भोजन को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर खाने से रोकें ताकि वह गले में न अटके। अपने शिशु के मस्तिष्क के विकास में मदद करने के लिए उसे पढ़ें, उससे बातें करें और उसके लिए गाएं। अपने शिशु को सोने के पर्याप्त अवसर प्रदान करें - 4 से 12 महीने के शिशुओं के लिए अनुशंसित नींद की मात्रा प्रतिदिन 12 से 16 घंटे (24 घंटे की अवधि में, झपकी सहित) है। शिशु को सक्रिय रखना उसके विकास के लिए महत्वपूर्ण है। दिन भर उसके हाथ-पैर हिलाते रहने के लिए उसके साथ शारीरिक गतिविधियाँ करें। जमीन पर बैठकर हिलने-डुलने से शिशु मजबूत बनता है और साथ ही वह दुनिया को समझने और जानने की कला सीखता है।

स्वच्छता व सैनिटेशन

हाथ धोने की सही आदत और बच्चे की देखभाल में साफ-सफाई के महत्व पर चर्चा की जाती है, जिससे संक्रमण से बचाव संभव हो सके। शिशु को सक्रिय रखना उसके विकास के लिए महत्वपूर्ण है।दिन भर उसके हाथ-पैर हिलाते रहने के लिए उसके साथ शारीरिक गतिविधियाँ करें। जमीन पर बैठकर हिलने-डुलने से शिशु मजबूत बनता है और साथ ही वह दुनिया को समझने और जानने की कला सीखता है। शिशु को बांधकर रखने वाले उपकरण उसके विकास में बाधा डाल सकते हैं। शिशु को झूले, स्ट्रोलर, बाउंसिंग सीट, एक्सरसाइज सॉसर या अन्य किसी भी बांधकर रखने वाले उपकरण में लंबे समय तक न रखें। उन्हें बाहर निकालें और घूमने-फिरने दें।

मंत्री नेताम की अध्यक्षता में संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में आज नवा रायपुर स्थित टीआरटीआई के सभाकक्ष में आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के संचालन, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की गई। मंत्री नेताम ने इस अवसर पर टीआरटीआई द्वारा प्रकाशित गुमनाम जननायक पुस्तक का भी विमोचन किया। उन्होंने इस दौरान शहीद वीरनारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सह स्मारक में दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्य कर रही सुश्री अंबिका ध्रुव का नगर सैनिक में चयनित होने पर सम्मानित भी किया। मंत्री नेताम ने एकलव्य विद्यालयों में गणवेश, मेस संचालन, भोजन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं में एकरूपता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

धान-चावल से सजी राखियां बनीं आकर्षण का केंद्र, प्रसन्न समूह की दीदियों ने हुनर से रची आत्मनिर्भरता की नई कहानी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि अपने हुनर और स्थानीय संसाधनों को नई पहचान देने का अवसर भी है। कोरबा जिले की महिला स्व सहायता समूह की दीदियां अपने परिश्रम, रचनात्मकता और नवाचार से इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। बेला कछार, दोनद्रो पंचायत का प्रसन्न स्व सहायता समूह भी ऐसी ही प्रेरक पहल का उदाहरण है, जहां महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार की हैं।

2018 से बिहान से जुड़ा 22 सदस्यीय समूह

प्रसन्न स्व सहायता समूह वर्ष 2018 से बिहान से जुड़कर महिला सशक्तिकरण और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ा रहा है। समूह में कुल 22 सदस्य हैं। समूह की दीदियां मौसम और मांग के अनुरूप विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार करती हैं। इनमें बाती, अगरबत्ती, कॉस्मेटिक सामग्री और कपड़ों से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। समय के साथ समूह की महिलाओं ने अपने कार्यक्षेत्र में नए उत्पाद जोड़ते हुए अपनी आय के अवसरों को भी विस्तार दिया है।

रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए समूह की दीदियों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए पारंपरिक राखियों को स्थानीयता से जोड़ा है। धान, बर्रे भाजी, साबूदाना और चावल जैसे स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों से तैयार की गई राखियां लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इन राखियों की खासियत सिर्फ उनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि इनके पीछे छिपा महिलाओं का हुनर और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग का विचार भी है। समूह की दीदियों द्वारा तैयार ये राखियां स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के साथ महिला उद्यमिता की भावना को भी मजबूत कर रही हैं। समूह की दीदियों श्रीमती नीतू कर्ष एवं श्रीमती मीरा देवांगन ने कलेक्टोरेट परिसर में राखियों का स्टॉल लगाया। यहां उन्होंने अपने हाथों से तैयार विभिन्न प्रकार की राखियां प्रदर्शित कीं।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने, गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

विभागीय कार्यों की समीक्षा की, अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन फील्ड में रहने के दिए निर्देश

रायपुर। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने बिलासपुर परिक्षेत्र के विभागीय एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को काम में तेजी लाने और सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में विभागीय अभियंताओं से कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा में पूर्णता विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सड़कों और पुलों के नए प्रस्ताव तैयार करते समय भविष्य की जरूरतों और बढ़ते यातायात को ध्यान में रखने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी और अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव भी बैठक में मौजूद थे। श्री बंसल ने अधिकारियों को प्रो-एक्टिव होकर काम करने तथा प्राक्कलन से लेकर निविदा की प्रक्रिया तक सभी कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालन अभियंताओं को अपने जिले के कलेक्टरों से बेहतर समन्वय रखने को कहा, ताकि निर्माण कार्यों से जुड़े मामलों तथा कार्यस्थलों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो और काम की गति बनी रहे। उन्होंने मैदानी अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन फील्ड में रहकर निर्माण कार्यों की कड़ी मॉनिटरिंग और निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों के कार्यों पर लगातार नजर रखने तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सड़कों और भवनों के निर्माण के प्रत्येक चरण में गुणवत्ता की जांच करने को कहा, ताकि मजबूत और टिकाऊ निर्माण हो सके। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने ऐसे नए कार्यों जिनकी निविदा हो चुकी है, उन्हें अक्टूबर तक शुरू करने को कहा। उन्होंने काम शुरू होने के बाद उसकी गति और गुणवत्ता दोनों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़कों और पुलों के रखरखाव पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़कें साफ-सुथरी, सुंदर और व्यवस्थित दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने बरसात में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों और पुलों की तत्काल मरम्मत करने को कहा, ताकि लोगों की आवाजाही बाधित न हो। श्री बंसल ने कार्यपालन अभियंताओं और अनुविभागीय अधिकारियों को एसडीएम से मिलकर विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए अधिग्रहित भूमि के नामांतरण की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने भू-अर्जन के नए और पुराने प्रकरणों के नामांतरण की कार्यवाही एक माह में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने जमा पद के पूर्ण कार्यों को तत्काल संबंधित विभागों को हैंडओवर करने को कहा। विभागीय सचिव ने बैठक में विश्रामगृहों और सर्किट-हाउसों के संचालन एवं रखरखाव की भी जानकारी ली। उन्होंने विभाग के भवनों में बेहतर साफ-सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करने के साथ ही पूरे परिसर को व्यवस्थित रखने को कहा।

अवैध खाद भंडारण और जैव उत्प्रेरक के खिलाफ कृषि विभाग की कार्रवाई, गोदाम सील

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। खरीफ मौसम वर्ष 2026 में किसानों को गुणवत्ता युक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने और उर्वरकों तथा कीटनाशकों के नियम विरुद्ध बिक्री पर रोक लगाने के लिये कृषि विभाग ने कार्यवाही तेज कर दी है। जिला प्रशासन के निर्देश पर औचक निरीक्षण के दौरान विभाग ने खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के गंडई स्थित दो कृषि केन्द्रों पर कार्यवाही की गई है। बाजार चौक स्थित हरिओम कृषि केन्द्र, गंडई के द्वारा विभाग को गुमराह कर अवैध रूप से गोदाम का संचालन किया जा रहा था। प्रारंभिक जांच के दौरान विभाग ने तत्काल कार्यवाही करते हुए धमधा रोड़ स्थित अवैध गोदाम को सील कर गोदाम में मौजूद समस्त संदेहास्पद कीटनाशकों एवं उर्वरकों को जप्त कर संबंधित कृषि केन्द्र के संचालक नीरज अग्रवाल को सुपुर्द की गई एवं विभाग ने आगे की कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। इसी प्रकार राघवेन्द्र कृषि केन्द्र में उर्वरक नियंत्रण आदेश का उल्लंघन पाये जाने के पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना निर्धारित प्रक्रिया के कीटनाशकों एवं उर्वरकों का विक्रय, स्टॉक का उचित संधारण नहीं करना, अनुज्ञप्ति में निर्धारित शर्तों का उल्लंघन एवं निर्धारित मानकों के विपरित कीटनाशकों एवं उर्वरकों का व्यापार किये जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी। कृषि विभाग ने बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के कीटनाशकों एवं उर्वरकों का विक्रय एवं भंडारण किये जाने पर भी तीन कृषि केन्द्र संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही की है। निरीक्षण के दौरान खैरागढ़ विकासखंड अंतर्गत दक्ष एग्रोटेक रेंगाकठेरा में 250 लीटर अवैध जैव उत्प्रेरक को जप्त कर प्रकरण कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है।

छत्तीसगढ़ बनेगा देश का अग्रणी मत्स्य हब: केंद्रीय सचिव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

भारत सरकार के 900 और राज्य सरकार के 300 करोड़ से मत्स्य क्रांति को मिली रही गति

रायपुर। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के सचिव अविलक्ष्य लेखी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना देश के मत्स्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी पहल है। योजना के विभिन्न घटकों के माध्यम से राज्यों के मत्स्य किसानों को आधुनिक तकनीक, वित्तीय सहायता एवं अधोसंरचना उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे मत्स्य क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे एवं मध्यम श्रेणी के ऐसे मत्स्य किसान, जिनकी बैंकिंग सेवाओं तक सहज पहुंच नहीं हो पाती, उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को बैंकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र किसान योजनाओं से वंचित न रहे। केंद्रीय सचिव लेखी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मत्स्य उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं और इन्हें साकार करने के लिए केंद्र सरकार देश के विभिन्न राज्यों में 34 मत्स्य क्लस्टरों का विकास करने जा रही है। इनमें छत्तीसगढ़ में तिलापिया कलस्टर शामिल है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार राज्य के मत्स्य क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं पर लगभग 900 करोड़ रुपये व्यय और स्वीकृत कर चुकी है। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और तिलापिया उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने इसे मत्स्य क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में उत्पादित मछलियों का निर्यात आयरलैंड, शिकागो सहित अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक हो रहा है। प्रदेश में 2 हजार से अधिक किसान तिलापिया पालन कर रहे हैं। इन किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए एक्सपोजर विजिट की कार्ययोजना तैयार करने, उन्नत गुणवत्ता के मत्स्य बीज उत्पादन हेतु नई हैचरियों की स्थापना तथा

आधुनिक तकनीकों के विस्तार पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मत्स्य किसानों से संवाद कर उनके सुझाव भी प्राप्त किए। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव, मछलीपालन विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार मत्स्य पालन को किसानों और मछुआरों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य आज मत्स्य बीज उत्पादन में देश में चौथे तथा मछली उत्पादन में छठे स्थान पर पहुंच चुका है। प्रदेश में लगभग 2.08 लाख हेक्टेयर जलक्षेत्र में 9.59 लाख मीट्रिक टन मछली उत्पादन किया जा रहा है। राज्य में 2021 पंजीकृत मत्स्य सहकारी समितियां, 1662 स्व-सहायता समूह, 123 मत्स्य हैचरियां, 102 मत्स्य बीज उत्पादन फार्म तथा 4 थोक मत्स्य बाजार संचालित हैं। श्री परदेशी ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत पिछले छह वर्षों में राज्य के लिए 956.86 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 272.37 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। योजना के तहत बायोफ्लॉक, आरएएस, केज कल्चर, तालाब निर्माण, लाइव फिश वेंडिंग सेंटर, कोल्ड स्टोरेज, फीड मिल और अन्य आधुनिक अधोसंरचनाओं का तेजी से विस्तार किया गया है। कोरबा जिले के बांगो जलाशय में 37.10 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क की स्थापना भी की जा रही है। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए विभाग ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है, जिसमें आधुनिक तकनीकों का विस्तार, मत्स्य अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण, विपणन एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से हजारों परिवारों को रोजगार एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। ह्यनवा अंजोर /2047ह्य के अंतर्गत रायपुर, धमतरी एवं कांकेर जिलों में तिलापिया क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत वर्ष 2026-27 के लिए 37,857 लाख रुपये की कार्ययोजना स्वीकृत की गई है। कार्यक्रम में केंद्रीय सचिव ने अधिकारियों को मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि, वित्तीय समावेशन, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तथा निर्यात क्षमता को और मजबूत करने के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में नाबार्ड, एमपीईडीए (डच्म्क।), सीफा (ब्प्थ्।) सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। अंत में मत्स्य पालन विभाग के संचालक एन.एस. नाग ने आभार व्यक्त किया। बढ़ी संख्या में मत्स्य किसान एवं छत्तीसगढ़ राज्य मछुआरा बोर्ड के चेयरमेन उपस्थित थे।

आवेदन तिथि को ही को मिली ट्राईसायकल

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराकर उन्हें सुगम आवागमन की दिशा में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में, जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम तुर्रीडीह निवासी अस्थि बाधित दिव्यांग श्री अशोक सिंहको आवेदन करने के कुछ ही समय बाद ट्रायसायकल उपलब्ध करा दी गई।

श्री अशोक 70 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं जिन्हें चलने में बहुत ही कठिनाईओं का सामना करना पड़ रहा था। दैनिक जरूरतों के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचना उनके लिए चुनौती बन गया था और अपनी आवश्यकता को लेकर अशोक ने आज ट्राईसायकल प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के संज्ञान में आते ही आवेदन पर त्वरित कार्यवाही की गई एवं आवेदन तिथि को ही अपर कलेक्टर श्री चेतन बोरघरिया द्वारा श्री अशोक सिंह को ट्राईसायकल प्रदान की गई। ट्राईसायकल प्राप्त होने पर श्री अशोक सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

ट्राईसायकल मिलने से श्री अशोक सिंह को दैनिक आवागमन में सुविधा होगी तथा वे अपने आवश्यक कार्यों के लिए अधिक सुगमता से आवागमन कर सकेंगे।

बच्चों को शिक्षा देना ड्यूटी नहीं, महत्वपूर्ण जिम्मेदारी : रेना जमील

कलेक्टर ने ली प्राचार्यों की बैठक, उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था और बेहतर परीक्षा परिणाम के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में जिले के शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, डीईओ श्रीमती लता बेक, डीएमसी मनोज साहू, सहायक संचालक अजय सिंह सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा सभी स्कूलों के प्राचार्य उपस्थित थे। जिले में शिक्षा व्यवस्था एवं शिक्षण के स्तर को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों को आधुनिक समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने तथा आगामी 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने कहा कि बच्चों को शिक्षा देना केवल ड्यूटी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। शिक्षक बच्चों को अपने बच्चों की तरह समझकर पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा व्यवस्था में सुधार का व्यापक प्रभाव समाज के विकास पर पड़ता है। उन्होंने सभी प्राचार्यों को अपने विद्यालयों में अनुशासन का वातावरण बनाने, शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए।बैठक में परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों एवं विषयवार प्रदर्शन पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विषयों में शिक्षकों द्वारा अपेक्षित गुणवत्ता के साथ अध्यापन नहीं कराया जा रहा है अथवा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, ऐसे शिक्षकों की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं बेहतर कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में शिक्षकों के सुझाव, नवाचार और मेहनत की महत्वपूर्ण भूमिका है। जो शिक्षक आगे आकर बेहतर कार्य करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा।।कलेक्टर ने 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए विद्यालयवार ठोस रणनीति एवं कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बीईओ एवं प्राचार्यों को मेधावी विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें बेहतर मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना बनाने को कहा गया।विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए प्रत्येक माह जिला स्तर पर तैयार किए गए प्रश्नपत्रों के माध्यम से मासिक टेस्ट आयोजित किए जाएंगे। परीक्षा के बाद विद्यार्थियों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए संबंधित शिक्षकों एवं प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। साथ ही स्कूलों में अच्छे प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। विद्यालयों में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए सेवानिवृत्त होने वाले कर्तव्यनिष्ठ प्राचार्यों से उनके अनुभव एवं सुझाव लेने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि वर्षों के अनुभव से प्राप्त सुझावों का उपयोग विद्यालयों की व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक परिणाम सुधारने में किया जा सकता है। उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, जर्जर भवनों सहित किसी भी समस्या की स्थिति की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने तथा शासन की सभी शैक्षणिक योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर माह होगी प्राचार्यों की बैठक

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार के लिए प्राचार्यों की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाएगी। इन बैठकों में विद्यालयों की शैक्षणिक प्रगति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मासिक टेस्ट के परिणाम, शिक्षकों की कार्यप्रणाली एवं बोर्ड परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपने-अपने विद्यालयों की कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का कहा। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्राचार्यों एवं शिक्षकों से सुझाव भी लिए गए तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने पर जोर दिया गया।

हत्या के आरोपी को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जमीन विवाद पर टांगी मारकर हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बताया गया है कि जिले के रमकोला थानाक्षेत्र के ग्राम स्कूलपारा में जमीन विवाद पर ग्रामीण की टांगी से हत्या करने के मामले में अपर सत्र न्यायालय प्रतापपुर ने आरोपी धर्मजीत को दोषसिद्ध होने पर'आजीवन कारावास एवं एक हजार के अर्थदंड' से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि अदा नहीं करने पर आरोपी को '06 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास' भुगतना होगा। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश प्रतापपुर ओमप्रकाश सिंह चौहान द्वारा 19 अगस्त को सुनाया गया। बताया गया है कि घटना दिवस 21 अक्टूबर 2024 को ग्राम डांडकरवां के स्कूलपारा में जमीन विवाद की पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी धर्मजीत ने लरंग साय के साथ विवाद किया। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने टांगी से लरंग साय की पीठ, गर्दन एवं कान के पास प्राणघातक वार किया जिससे उसकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद मामले में रमकोला पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी को 22 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था।

मामले की विवेचना के दौरान विवेचक तत्कालीन निरीक्षक प्रमोद किस्पोट्टा द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण, संबंधित गवाहों के बयान, मृतक का पोस्टमार्टम तथा चिकित्सकीय साक्ष्यों सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संकलन किया गया। न्यायालय में प्रस्तुत अभियोजन साक्ष्यों एवं चिकित्सकीय साक्ष्य के परीक्षण के बाद आरोपी को हत्या के अपराध का दोषी पाया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक अक्षय तिवारी द्वारा की गई। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश ओमप्रकाश सिंह चौहान, अपर सत्र न्यायाधीश प्रतापपुर के यहां हुई। न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी कर निर्णय 19 अगस्त को प्रकरण की सम्पूर्ण परिस्थितियों, साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्ध आरोपी धरमजीत पिता स्व. बलजीत उम्र 30 वर्ष ग्राम रमकोला, को दंडित किया है।

बाढ़ आपदा से निपटने आमगांव ओपन कास्ट में हुई मॉक एक्सरसाइज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को जिले के आमगांव ओपन कास्ट माईन रामानुजनगर में बाढ़ आपदा पर आधारित मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिसका कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने उपस्थित रहकर संपूर्ण गतिविधि का अवलोकन किया। मॉक एक्सरसाइज के संपादन हेतु अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा के नेतृत्व में नौ कार्यक्षेत्रों के लिए पृथक पृथक नोडल अधिकारी एवं सहयोगी कर्मचारी नियुक्त किए गए थे। इनमें स्टेजिंग एरिया, इंसिडेंट कमांड पोस्ट, राहत शिविर, कैंप फॉर रिस्पॉन्डर, अस्थायी अस्पताल, हेलीपैड, मीडिया मैनेजमेंट, जल भराव के कारण फंसे लोगों के बचाव का परिदृश्य तथा जीर्णोद्धार से जुड़े विभागों का समन्वय शामिल रहा। अभ्यास के दौरान खदान क्षेत्र में जल भराव से लोगों के फसने की स्थिति निर्मित कर बचाव दल द्वारा उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा प्रभावितों को राहत शिविर तक पहुँचाने की प्रक्रिया का पूर्वाभ्यास किया गया।

अभ्यास में एस.डी.आर.एफ., फायर ब्रिगेड, लाइफ गार्ड, पुलिस एवं मेडिकल टीम ने संयुक्त रूप से भाग लिया। पुलिस विभाग द्वारा प्रत्येक कार्यस्थल पर बल की तैनाती, टूटे पुल एवं डुबान क्षेत्र में यातायात डायवर्सन तथा अस्थायी पुलिस सहायता केन्द्र एवं वायरलेस बेस की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दोनों स्थलों पर एम्बुलेंस सहित मेडिकल टीम, घटना स्थल पर सी.पी.आर. का प्रदर्शन, रैपिड रिस्पांस टीम, सर्पदंश उपचार तथा दस बिस्तरीय अस्थायी अस्पताल की व्यवस्था की गई। जिला सेनानी एवं अग्निशमन विभाग द्वारा रेस्क्यू संसाधन एवं फायर वाहन तैनात रहे, वहीं विस्थापित ग्रामीणों को राहत शिविर तक पहुँचाने परिवहन द्वारा सुनिश्चित की गई। मॉकड्रिल स्थल पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में एसईसीएल विश्रामपुर प्रबंधन का सहयोग रहा। कार्यक्रम में जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता, एसडीएम अजय मोडियम, डिप्टी कलेक्टर रमेश मोर, डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। आयोजन का उद्देश्य बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, प्रतिक्रिया समय एवं उपलब्ध संसाधनों की तत्परता का आकलन करना रहा।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के अंतर्गत खाद्य व्यवसाय संचालकों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में जिले के स्ट्रीट फूड वेंडर्स, फुटकर किराना दुकान संचालकों, होटल, मिठाई दुकान, डेयरी एवं रेस्टोरेंट संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं रखरखाव संबंधी जानकारी दी गई। जिले के आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत संचालित आश्रम शाला, छात्रावास, एकलव्य विद्यालय एवं प्रयास विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों के लिए भी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई, खाद्य सामग्री के उचित भंडारण, रसोईघर की स्वच्छता एवं खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा खाद्य सामग्री की सुरक्षित हैंडलिंग के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

करसी शा.उ.मा.वि. जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं को दी गई सुरक्षा एवं अधिकारों की जानकारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला संचालित की जा रही है। इसी कड़ी में जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करसी में हायर सेकेण्डरी एवं मिडिल स्कूल की छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल ने कहा कि शिक्षा ही वह कुंजी है जिससे अधिकांश समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि यदि बालिकाएं निरंतर अध्ययन करते हुए अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होती रहेंगी तो अभिभावक कभी भी उनके शीघ्र विवाह के बारे में नहीं सोचेंगे, क्योंकि शिक्षा विकास की पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम के दौरान जब उन्होंने विद्यार्थियों से पूछा कि उनमें से कौन अपने माता-पिता से अधिक पढ़ाई कर रहे हैं, तो लगभग 80 प्रतिशत बच्चों ने हाथ खड़े किए। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसे में उनकी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि अभिभावक उनसे परिवार का नाम रोशन करने की अपेक्षा रखते हैं। उन्होंने चाइल्ड लाइन टोल फ्री नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन 181 तथा आपातकालीन नंबर 112 की जानकारी देते हुए क्षेत्र में एक भी बाल विवाह न होने देने का आह्वान किया। बालिकाओं को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की विस्तृत जानकारी देते हुए बचाव के चार सूत्र - नो, गो, टेल एवं एफ.आई.आर. बताए गए। उन्होंने समझाया कि किसी भी अनुचित व्यवहार का दृढ़ता से विरोध करें, तत्काल सुरक्षित एवं भीड़भाड़ वाले स्थान पर पहुँचें, अपने सर्वाधिक विश्वसनीय व्यक्ति को इसकी जानकारी दें तथा संबंधित थाने में प्रकरण दर्ज कराएं। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा का सशक्त माध्यम बताते हुए इसकी जानकारी रखने पर बल दिया। मोबाइल के सतर्कतापूर्ण उपयोग की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चे अभिभावकों की उपस्थिति में ही मोबाइल का प्रयोग करें, क्योंकि वर्तमान में ऑनलाइन ठगी के प्रकरण तेजी से बढ़ रहे हैं। मिशन शक्ति की श्रीमती फरजाना अंसारी ने महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षित होकर ही आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने जिले में लैंगिक असमानता की स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि यहाँ प्रति एक हजार पुरुषों पर 920 बालिकाएं हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत उन्होंने भ्रूण हत्या रोकने तथा घरेलू हिंसा की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 181 का उपयोग करने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय में पोस्टर, राखी एवं रंगोली निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रत्येक विधा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया, वहीं शेष सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री जायसवाल, महिला सशक्तिकरण से श्रीमती फरजाना अंसारी, कुमारी सलोमी कूजूर तथा पर्यवेक्षक श्रीमती सूरजमती बघेल उपस्थित रहीं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक–4791/NIT–05/2026–2027/व.ले.लि. दिनांक : 18.08.2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :– 08.09.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :– 16.09.2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :– 17.09.2026 पूर्वान्ह 11.00 बजे से
निविदाकारों की श्रेणी :– एकल पंजीयन में पंजीकृत "द" वर्ग ठेकेदार
भवन एसओआर :– 01.01.2015 लागू दिनांक 05.05.2025 तक संशोधित

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No Of Calls	कार्यो की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.में) बैंक साल्वेंसी (रू.में) निविदा प्रपत्र की कीमत (रू. में) कार्य की अवधि
5 T0047	पॉलिटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर मे प्लास्टर, छज्जा, फर्श और दरवाजे की खिड़की का मरम्मत कार्य।	7.49 5618.00 120000.00 750.00 03 माह वर्षाऋतु सहित
5 T0048	पॉलिटेक्निक कॉलेज अम्बिकापुर मे दरवाजों एवं खिड़कियों की मरम्मत तथा वाउण्ड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाने एवं मरम्मत कार्य।	7.47 5618.00 120000.00 750.00 03 माह वर्षाऋतु सहित

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग अम्बिकापुर

जी–262702867/2

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ–6/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण विनोद सिंह आ. स्व. आनन्द सिंह, उम्र 77 वर्ष निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर अन्य वगैरह के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण की पैतृक भूमि नगर अम्बिकापुर मोहल्ला बाबूपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 3462, 3463, 3476 एवं 3463/4781 रकबा क्रमशः 1.08, 1.13, 1.06 एवं 0.55 एकड़ भूमि है। उक्त आवेदित भूमि के भूधारक अर्थात् आवेदकगण के पिता/पति की मृत्यु पूर्व में हो चुकी है, जिसके उपरांत आवेदकगण द्वारा आवेदित भूमि से उनका नाम विलोपित करते हुये मृतक भूधारकों के वैधानिक उत्तराधिकारियों का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू–राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/08/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

डी.ए.व्ही. स्कूल भवरमाल, प्रेमनगर एवं पतरातू की पात्र/अपात्र सूची जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी दी है कि डी.ए.व्ही. स्कूल भवरमाल, प्रेमनगर एवं पतरातू में प्रवेश से संबंधित प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि डी.ए.व्ही. स्कूल भवरमाल, प्रेमनगर एवं पतरातू से प्राप्त आवेदनों के परीक्षण के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया था। इसके पश्चात संबंधित विद्यालयों द्वारा आर.टी.ई. सीट हेतु 15 मई से 23 मई 2026 तक ऑफ्लाइन आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्राप्त आवेदनों का जिला स्तरीय समिति द्वारा परीक्षण किए जाने के उपरांत डी.ए.व्ही. स्कूल भवरमाल, प्रेमनगर एवं पतरातू की दावा-आपत्ति हेतु पात्र एवं अपात्र सूची तैयार कर प्रकाशित की गई है। अपात्र अभ्यर्थी द्वारा सूची जारी होने की तिथि से 22 अगस्त 2026 को शाम 5 बजे तक संबंधित संस्था में दावा-आपत्ति आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूमों के भ्रामक प्रचार से पारंपरिक सराफा व्यवसायी हो रहे आहत

छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री कार्यालय के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बड़े ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूमों द्वारा किए जाने वाले भ्रामक प्रचार और आकर्षक प्रलोभनों के आड़ में आम उपभोक्ताओं को गुमराह होने का आरोप छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन ने लगाया है। इनका कहना है कि, इसका सीधा असर पारंपरिक सराफा व्यापारियों और स्वर्ण कारीगरों पर पड़ रहा है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में जिला सराफा इकाईयों द्वारा जिला कलेक्टर को प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

एसोसिएशन के सरगुजा संभाग कार्यकारी अध्यक्ष राजेश सोनी ने हस्ताक्षरयुक्त पत्र में लेख किया है कि, देश के हजारों छोटे-मझौले सराफा व्यापारी और लाखों स्वर्ण कारीगर

पीढ़ियों से इस व्यवसाय से जुड़े हैं। बड़े शोरूमों के लुभावने विज्ञापनों के कारण उनका व्यापार लगातार प्रभावित हो रहा है। मांग की गई है कि पूरे देश में सराफा व्यापार के लिए समान और प्रभावी कानूनी व्यवस्था बनाई जाए। साथ ही स्थानीय सराफा व्यापारियों और कारीगरों के हितों की सुरक्षा के लिए आवश्यक नीतिगत और कानूनी प्रावधान किए जाएं।

एसोसिएशन ने वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत का हवाला देते हुए कहा कि जब देश स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रहा है, तब पारंपरिक सराफा व्यापार और स्वर्ण कला को बचाना भी जरूरी है। सराफा व्यवसाय केवल व्यापार नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, परंपरा और रोजगार से जुड़ा हुआ है। ज्ञापन की प्रति केंद्रीय गृह मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और बीआईएस नई दिल्ली को भी भेजी गई है।

एसोसिएशन ने बीआईएस, एचयूआईडी हॉलमार्क और गोल्ड टेस्टिंग की सख्त निगरानी की मांग की है। सराफा व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो पारंपरिक ज्वेलरी व्यवसाय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। सराफा एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि जब तक समान और पारदर्शी व्यवस्था नहीं बनती, उनका यह अभियान जारी रहेगा।

इसलिए भड़के ज्वेलरी कारोबारी

बिलासपुर के एक ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूम में बीते 14 अगस्त को एचयूआईडी युक्त 22 कैरेट स्वर्ण आभूषण जांच के दौरान 20 कैरेट बताया गया। हालांकि पुन: जांच में उसे 22 कैरेट पाया गया। इसी घटना को लेकर सराफा एसोसिएशन ने इसे केवल एक प्रतिष्ठान का मामला न मानते हुए पूरे ज्वेलरी क्षेत्र से जुड़ी विसंगति माना है। एसोसिएशन का कहना है कि, यह विषय केवल किसी एक प्रतिष्ठान तक सीमित नहीं है, सीधे तौर पर स्वर्ण की शुद्धता की जांच की विश्वसनीयता से जुड़ा है। एसोसिएशन का आरोप है कि ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूम सस्ता सोना, जीरो मेकिंग चार्ज, एक्सचेंज ऑफर जैसे प्रचार माध्यमों से ग्राहकों को आकर्षित करते हैं। उन्हें वैध प्रतिस्पर्धा से आपत्ति नहीं है, लेकिन भ्रामक व अधूरी जानकारी वाले दावों के प्रति नाराजगी है। इन्होंने पुश्तैनी कारीगरी एवं भारतीय स्वर्ण कला बोर्ड, स्वर्णकार कल्याण बोर्ड का गठन करने की मांग भी की है।

हाथी के हमले में ग्रामीण की मौत, पोड़ी मोड़ पर शव रखकर चक्काजाम

आठ घंटे बनारस मार्ग रहा बाधित, 20 लाख मुआवजा और नौकरी की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के सिंघरा और सरहरी के बीच जंगल में हाथी के हमले से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत के बाद पूरे इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बन गई। घटना के विरोध और मांगों को लेकर गुरुवार सुबह 8 बजे से ही आक्रोशित ग्रामीणों ने अंबिकापुर-बनारस मार्ग के पोड़ी मोड़ पर शव को रखकर चक्काजाम कर दिया, जिससे 8 घंटे से अधिक आवागमन पूरी तरह ठप्प हो गया। इनके द्वारा कथित लापरवाही के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे रेंजर उत्तम मिश्रा को तत्काल निलंबित करने सहित अन्य मांगों को लेकर हल्ला बोला गया। शाम लगभग 4 बजे वन विभाग और प्रशासन की मध्यस्थता के बाद ग्रामीण माने और चक्काजाम समाप्त करके मृतक का शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हुए।

जानकारी के मुताबिक, घटना बुधवार, 19 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे की है। ग्राम पंचायत सिंघरा निवासी रामलाल (48) पिता गणपत जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान अचानक उनका सामना एक जंगली हाथी से हो गया। जब तक वे खुद को संभाल पाते या वहां से भागते, हाथी ने उन पर हमला कर दिया और उन्हें बुरी तरह कुचल डाला। घटना में रामलाल की मौके पर ही मौत हो गई। जैसे ही खबर आसपास

बनारस मार्ग पर लगा लंबा जाम

मृतक के शव को पोड़ी मोड़ पर लाकर मुख्य सड़क पर रखने और चक्काजाम करके प्रदर्शन शुरू करने से बनारस मार्ग के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गई, जिससे यात्रियों और मालवाहकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना था कि, वन विभाग की घोर लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

ग्रामीण प्रशासन से अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं। इनके द्वारा मृतक रामलाल के आश्रित परिवार को तुरंत 20 लाख रुपये मुआवजा देने, पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने, जंगल से लगे गांवों में हाथियों की नियमित निगरानी करने और समय-समय पर अलर्ट जारी करने की मांग की है।

वन विभाग पर लापरवाही का आरोप

ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि क्षेत्र में हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है, फिर भी सुरक्षा के लिए पर्याप्त सतर्कता नहीं बरती जा रही है। न तो कोई जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और ना ही हाथियों की मौजूदगी की पूर्व सूचना दी जाती है। यदि विभाग समय रहते चेतावनी दे, तो ऐसी दर्दनाक स्थिति नहीं बनेगी।

के इलाकों में फैली, बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी पहुंची, लेकिन ग्रामीणों के गुस्से को देखते हुए वे शव को कब्जे में नहीं ले सके। चक्काजाम की खबर मिलते ही एसडीएम, पुलिस प्रशासन और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी दल-बल के साथ पोड़ी मोड़ पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को शांत कराने और उनकी मांगों पर चर्चा करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं बनी। आठ घंटे तक ग्रामीण मुख्य मार्ग पर डटे रह गए।

ममता के पुत्र गौतम ने किया किडनी और रेखा ने किया लिवर दान

कश्यप समाज ने दोनों माताओं को वीरमाता और करुणा शिरोमणि से किया सम्मानित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सावन उत्सव के अवसर पर कहार समाज महिला इकाई, सरगुजा द्वारा चम्बोथी स्थित सामुदायिक भवन में विशेष सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समाजहित में अनुकरणीय कार्य करने वाली दो महिलाओं को वीरमाता और करूणा शिरोमणि से सम्मानित किया गया।

कहार समाज महिला इकाई सरगुजा की उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम की संयोजक, संचालक साधना कश्यप ने बताया कि, लखनपुर निवासी सुदामा-ममता कश्यप के पुत्र गौतम कश्यप 30 वर्ष ने समाज के एक व्यक्ति की जान बचाने के लिए अपनी किडनी दान की थी। इस पहल को समाज के लिए अनुकरणीय मानते हुए गौतम की माता ममता कश्यप को वीरमाता की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं इमलीपारा अंबिकापुर निवासी राजू कश्यप की धर्मपत्नी रेखा कश्यप को करुणा शिरोमणि से सम्मानित किया गया। इन्होंने स्वयं अपना लिवर दान करके एक जीवन को नया जीवनदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कश्यप समाज की महिलाओं ने दोनों माताओं को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सावन उत्सव पर महिलाओं ने की आत्मीय भेंट

सावन उत्सव के अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं को श्रृंगार सामग्री वितरित करके स्वल्पाहार कराया गया। कहार समाज महिला इकाई, जिला सरगुजा की मनोनीत अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद संध्या रवानी ने कहा कि, समाजोत्थान के साथ-साथ समाजहित में कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए हर माह इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अधिकाधिक महिलाओं और बेटियों को संगठन से जुड़ने प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संध्या सिंह, मंजू कश्यप, मीरा कश्यप, श्यामा कश्यप, इंदू कश्यप, सुनिता कश्यप, ललिता कश्यप, सुषमा कश्यप, किरण कश्यप, शारदा कश्यप सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं का सहयोग रहा।

छात्राओं को सरस्वती साइकिल वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन लुंड्रा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोरी में बुधवार को नि:शुल्क सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं में अध्ययनरत छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह ने छात्राओं को साइकिल की चाबी सौंपकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं, और कहा कि सरस्वती साइकिल योजना बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने और स्कूल तक उनकी पहुंच आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। इससे विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और बीच में पढ़ाई छोड़ने की स्थिति नहीं बनेगी। उन्होंने छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने परिवार, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। साइकिल वितरण के बाद उन्होंने विद्यालय के कक्षाओं का निरीक्षण किया। यहां नियमित अध्यापन और परिसर में साफ-सफाई देखकर उन्होंने प्रबंधन एवं स्टाफ के कार्यों की सराहना की। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता, भाजपा वरिष्ठ पदाधिकारी हीरा सिंह, जोरी उप सरपंच धर्मेंद्र गुप्ता, प्राचार्य पन्नालाल पटेल, व्याख्याता ब्रजेश कुमार शर्मा सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य पन्नालाल पटेल एवं विद्यालय स्टाफ ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज में 'स्वस्थ युवा-सशक्त राष्ट्र, नशामुक्ति का संकल्प'

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। होली क्रॉस वीमेन्स कॉलेज के सभागार में बुधवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, अंबिकापुर के सहयोग से '10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान-2026' के अंतर्गत नशामुक्ति प्रतिज्ञा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नशामुक्त जीवनशैली, आत्म-अनुशासन, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसफ ने कहा कि, नशा केवल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें, साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पार्वती ने ध्यान एवं मेडिटेशन के माध्यम से छात्राओं और शिक्षकों को परमात्मा से जुड़ने और आंतरिक चेतना जागृत करने का अनुभव कराया। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक,

पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ समापन-कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी छात्राओं एवं शिक्षकों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे, दूसरों को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करेंगे और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम का संचालन अंजना सहायक प्राध्यापक एम.एस.डब्ल्यू द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से ज्योति, महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

सरस्वती महाविद्यालय में दीक्षारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती महाविद्यालय, अंबिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 अंतर्गत प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नेप-2020, महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, विभिन्न समितियों एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं राज्य गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय समिति अध्यक्ष सुभाषचंद्र अग्रवाल, भूतपूर्व व्यवस्थापक बसंत कुमार गुप्ता एवं प्राचार्य डॉ. ऋषि सिंह सहित महाविद्यालय परिवार की उपस्थिति रही। नेप प्रभारी प्रवीण शर्मा ने पीपीटी के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेप विद्यार्थियों के समग्र विकास पर केंद्रित है। साथ ही क्रेडिट प्रणाली अंतर्गत डीएससी, डीएसई, जीएन, वीएसी, एईसी एवं एसईसी पाठ्यक्रमों और विषय चयन की प्रक्रिया को समझाया। सीआईए एवं ईएसई के महत्व पर भी प्रकाश डाला।प्राचार्य डॉ. ऋषि सिंह ने अनुशासन, नियमित अध्ययन और सकारात्मक सोच पर बल देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बसंत कुमार गुप्ता ने लक्ष्य के प्रति समर्पण और गतिविधियों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि सुभाषचंद्र अग्रवाल ने तुलसीदास के दोहों के माध्यम से परिश्रम, सदाचार और संस्कारों का महत्व बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। संचालन कृष्ण कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर किशन सारथी, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, सुरेश यादव, अनुभा सिंह, रानू, निशा, मीना पटेल सहित समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

राजीव गांधी की जयंती पर पौधरोपण कर मरीजों को फल वितरण

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हरिहर यादव एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष समीर सिंह देव के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। जयंती की शुरुआत राजीव भवन परिसर में पौधरोपण से हुई। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। राजीव गांधी के व्यक्तित्व, आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि, राजीव गांधी आधुनिक भारत के स्वप्न दृष्टा थे। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी संचार शिक्षा पंचायती राज और युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए। इस दौरान उनके विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक एकता, अखंडता एवं सद्भावना

को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। इसके पश्चात बस स्टैंड स्थित स्व. राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वहीं जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए गए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। कार्यक्रम में जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कांग्रेसजनों ने स्व. राजीव गांधी के सपनों के भारत के निर्माण के लिए उनके विचारों और आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया।

झोलाछाप डॉक्टर ने छीन ली मासूम की जान, स्वास्थ्य प्रशासन सवालों के घेरे में

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय से कुछ ही फासले पर एक बार फिर झोलाछाप डॉक्टर के इलाज उपरांत 3 वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और जिले में संचालित अवैध क्लिनिकों की निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, जमुआटांड़ निवासी रमेश चेरवा अपने 3 वर्षीय पुत्र को बुखार आने पर

सरनाडीह निवासी एक झोलाछाप डॉक्टर के क्लिनिक में उपचार के लिए ले गया था, यहां मासूम को इंजेक्शन लगाया गया। इंजेक्शन लगने के बाद ही उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। स्वजन बच्चे को घर लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत अचेत जैसी हो गई, और उसकी मौत हो गई हालांकि मासूम के मौत का वास्तविक कारण क्या है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। स्वजन ने उपचार के दौरान इंजेक्शन लगाने की बात कही है। मामले में बलरामपुर पुलिस जांच में जुटी हुई है।

घुनघुट्टा जलाशय में आपदा प्रबंधन का अभ्यास, टापू में फंसे लोगों का प्रतीकात्मक रेस्क्यू

फ्लाइंग फॉक्स और सीपीआर का लाइव डेमो, ग्रामीणों के लिए बना कौतूहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के घुनघुटा बांध में आम नागरिकों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एनडीआरएफ द्वारा मॉक ड्रिल अभ्यास का आयोजन किया गया। यह मॉक ड्रिल 03 वाहिनी बटालियन एनडीआरएफ, मुण्डली (कटक, ओडिशा) के डिप्टी कमांडर लिटेन विश्वास के मार्गदर्शन में तथा सब-इंस्पेक्टर विकास सैनी के नेतृत्व में हुआ। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, उपलब्ध संसाधनों एवं उपकरणों की कार्यक्षमता का परीक्षण करना तथा स्थानीय नागरिकों को बाढ़ एवं अन्य आपदाओं से बचाव के लिए व्यवहारिक रूप से प्रशिक्षित करना रहा। साथ ही घरेलू स्तर पर उपलब्ध सामान्य संसाधनों का उपयोग कर स्वयं एवं दूसरों की जान बचाने के उपायों का भी प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल, अपर कलेक्टर एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सुनील नायक, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट फायर एसके कठौतिया

सहित विभिन्न विभागों के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी के अलावा जिला-पुलिस प्रशासन, एनडीआरएफ, नगर सेना एसडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग, वन विभाग, शिक्षा विभाग सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, सुरक्षा बल, मेडिकल टीम, स्काउट-गाइड एवं सरपंच, स्कूली बच्चे तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रतीकात्मक रूप से टापू में फंसे लोगों का रेस्क्यू

मॉक ड्रिल की शुरुआत में बाढ़ की काल्पनिक आपदा की स्थिति निर्मित की गई। इसके तहत घुनघुट्टा जलाशय में

फ्लाइंग फॉक्स के माध्यम से बचाव का प्रदर्शन-मॉक ड्रिल में जलभराव अथवा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए फ्लाइंग फॉक्स तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ की टीम ने इस तकनीक के माध्यम से आपदा प्रभावित स्थान से लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने की प्रक्रिया समझाई।

घरेलू संसाधनों से भी कर सकते हैं जीवन रक्षा-एनडीआरएफ की टीम ने बताया कि आपदा की स्थिति में यदि तत्काल राहत एवं बचाव उपकरण उपलब्ध न हों, तो घर में उपलब्ध खाली पानी की बोतल, प्लास्टिक के डिब्बे, जरीकन सहित अन्य तैरने वाले घरेलू संसाधनों के माध्यम से पानी में डूबने से बचाव किया जा सकता है।

सीपीआर का दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण-इस दौरान सीपीआर का भी प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ एवं मेडिकल टीम ने बताया कि किसी व्यक्ति के अचानक बेहोश होने अथवा सांस एवं हृदय की गतिविधि रुकने की स्थिति में समय पर सीपीआर देना अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है।

विभिन्न विभागों से आपसी समन्वय का अभ्यास-मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस प्रशासन, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सीएचसी एवं पीएचसी की मेडिकल टीम, शिक्षा विभाग, होमगार्ड, एनसीसी, स्काउट-गाइड तथा अन्य संबंधित विभागों ने अपनी-अपनी भूमिका का अभ्यास किया।

प्रतीकात्मक रूप से एक टापू पर कुछ लोगों के फंसे होने की सूचना प्राप्त होने का परिदृश्य बनाया गया। सूचना मिलते ही एनडीआरएफ एवं संबंधित बचाव दल ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम ने नाव के माध्यम से जलाशय में पहुंचकर फंसे ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के दौरान कुछ लोगों के घायल होने की स्थिति भी प्रदर्शित की गई। घायलों को सुरक्षित स्थान पर लाकर मेडिकल पोस्ट में प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

'इस प्रकार के मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को आपदा से पूर्व प्रशिक्षित करना है, ताकि आपदा के समय जान-माल की क्षति को न्यूनतम किया जा सके।'
सुनील नायक
अपर कलेक्टर एवं मॉक ड्रिल नोडल

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार एनडीआरएफ द्वारा विभिन्न जिलों में इस प्रकार के मॉक एक्सरसाइज आयोजित किए जाते हैं। इसका उद्देश्य जिला स्तर पर विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना एवं आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से आपदा का सामना करने की तैयारियों को परखना है।
लिटेन विश्वास
डिप्टी कमांडर एनडीआरएफ

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर